website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 233 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने प्रमिला ताई मेढ़े के निधन पर जताया दुख, कहा- हमेशा याद रहेगा उनका योगदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े का 97 वर्ष की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में उनके अमूल्य योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

पीएम मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका रहीं श्रद्धेय प्रमिला ताई मेढ़े के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उनका संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा। महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में उनके अमूल्य योगदान को सदैव याद किया जाएगा। ईश्वर शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!"

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी प्रमिला ताई मेढ़े के निधन पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रमुख संचालिका श्रद्धेय प्रमिला ताई मेढ़े का निधन सभी समाजसेवियों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। प्रमिला ताई आजीवन राष्ट्रसेवा और नारी शक्ति के सशक्तीकरण हेतु समर्पित रहीं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय सेविका समिति जनकल्याण का पर्याय बनीं। उनके सेवा कार्य और समाज के उत्थान का संकल्प आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणीय हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।"

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रमिला ताई मेढ़े को श्रद्धांजलि अर्पित की। संघ के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की गईं, जिसमें मोहन भागवत उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देते हुए दिखाई दे रहे हैं। संघ प्रमुख ने कहा, "राष्ट्र सेविका समिति की भूतपूर्व प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े के परलोक गमन से हम सभी लोगों के सर पर से एक मातृवत छत्र हट गया है। उनके निधन से लगभग समिति की स्थापना काल से आज तक की उनकी दीर्घ तपस्या की पूर्णता हो गई है। लक्ष्य की अचूक समझ व निष्ठा, कार्य वृद्धि के लिए सातत्यपूर्ण कठोर परिश्रम तथा व्यवहार में आत्मीयता का वे मूर्तीमंत उदाहरण थीं। राष्ट्र सेविका समिति के कार्ययज्ञ में अपनी जीवन समिधा अर्पित कर अंततोगत्वा उन्होंने मरणोपरांत देहदान संकल्प से अपने देह का भी समर्पण कर दिया। उनकी तपस्या के कारण उनकी सद्गति तो सुनिश्चित है। उनके बिना ध्येय पथ पर आगे बढ़ने का धैर्य हम सभी को मिले, यही ईश चरणों में प्रार्थना।"

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, वायु गुणवत्ता अति उत्तम श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी है, इसके साथ ही वायु प्रदूषण के स्तर में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के कारण हवा इतनी स्वच्छ हो गई है कि कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 50 से भी नीचे आ गया है, जिसे "अति उत्तम" श्रेणी में गिना जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई को दिल्ली और आसपास के कई इलाकों में AQI बेहद बेहतर स्थिति में पहुंच गया। दिल्ली के अलीपुर में AQI 28, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 38, बवाना में 36, नरेला और नेहरू नगर में 48, इंदिरापुरम (गाजियाबाद) में 31 और नोएडा के सेक्टर-62 व सेक्टर-1 में AQI 34 रिकॉर्ड किया गया।

वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि 31 जुलाई से 5 अगस्त तक दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। 1 से 3 अगस्त के बीच गरज-चमक के साथ तेज बारिश की भी संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है, जबकि नमी (ह्मिडिटी) का स्तर 95% तक पहुंच सकता है।

हालांकि बारिश से एक ओर जहां गर्मी और वायु प्रदूषण से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर जलभराव और ट्रैफिक जाम लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। कई इलाकों में सड़कें पानी से भर गई हैं, जिससे दफ्तर और जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ा। नगर निगम और प्रशासन के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गया है।

कर्नाटक कोलार की महिला में मिला दुनिया का नया और अनोखा ब्लड ग्रुप, CRIB नाम से हुई पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में दुनिया का एक बिल्कुल नया रक्त समूह पाया गया है, जिसे 'CRIB' नाम दिया गया है। यह खोज रक्त विज्ञान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। यह मामला तब सामने आया जब महिला को कोलार के एक अस्पताल में हृदय शल्य चिकित्सा (हार्ट सर्जरी) के लिए भर्ती किया गया था। उनका रक्त समूह सामान्यत: O Rh+ था, लेकिन जब सर्जरी से पहले उन्हें रक्त चढ़ाने की ज़रूरत पड़ी, तो उपलब्ध कोई भी O-पॉजिटिव यूनिट उनके शरीर से मेल नहीं खा रही थी।

यह देखकर अस्पताल ने मामला रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर की एडवांस्ड इम्यूनोहेमेटोलॉजी रेफरेंस लैब भेजा। लैब ने जब एडवांस्ड सेरोलॉजिकल तकनीकों से जांच की, तो पता चला कि महिला का रक्त "पैनरिएक्टिव" है, यानी यह किसी भी सामान्य रक्त सैंपल से मेल नहीं खा रहा था। इससे संदेह हुआ कि यह कोई दुर्लभ या अब तक अज्ञात रक्त समूह हो सकता है।

इसके बाद महिला के 20 परिजनों के रक्त सैंपल की भी जांच की गई, लेकिन कोई मेल नहीं मिला। डॉक्टर्स और परिवार के सहयोग से बिना रक्त चढ़ाए ही महिला की सफल हार्ट सर्जरी की गई। आगे जांच के लिए महिला और उनके परिवार के रक्त सैंपल ब्रिटेन की इंटरनेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेंस लेबोरेटरी (IBGRL), ब्रिस्टल भेजे गए। वहां दस महीनों के व्यापक शोध और आणविक परीक्षण के बाद एक नए रक्त एंटीजन की खोज हुई, जिसे "CRIB" नाम दिया गया।

CRIB नाम में "CR" का मतलब है Cromer (एक मौजूदा रक्त समूह प्रणाली), और "IB" का मतलब है India-Bangalore, जहां इस खोज की शुरुआत हुई। यह नया एंटीजन क्रोमर ब्लड ग्रुप सिस्टम का हिस्सा है। जून 2025 में मिलान, इटली में आयोजित इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (ISBT) की 35वीं रीजनल कांग्रेस में इस खोज की आधिकारिक घोषणा की गई।

यह महिला दुनिया की पहली व्यक्ति हैं जिनमें यह नया CRIB एंटीजन पाया गया है। इस खोज के बाद, रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर ने कर्नाटक स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल और मुंबई स्थित ICMR के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी (IIH) के सहयोग से एक "रेयर डोनर रजिस्ट्री" शुरू की है। यह पहल दुर्लभ रक्त समूहों वाले मरीजों को समय पर सही रक्त मुहैया कराने के लिए की गई है।

इस खोज से न केवल भारत को वैश्विक रक्त विज्ञान में एक नई पहचान मिली है, बल्कि यह दुर्लभ रक्त समूहों पर शोध और मरीजों को जीवन रक्षक सहायता देने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की लिस्ट तैयार, अधिसूचना जल्द - चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार कर ली है। आयोग ने गुरुवार को एक प्रेस नोट जारी कर यह जानकारी दी।

भारत निर्वाचन आयोग ने प्रेस नोट में बताया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत निर्वाचन आयोग को उपराष्ट्रपति के चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संविधान के अनुच्छेद 66(1) के अनुसार, उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित और मनोनीत सदस्यों के साथ-साथ लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

ईसीआई के मुताबिक, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 40 के अनुपालन में, आयोग ने निर्वाचक मंडल की सूची तैयार की है, जिसमें सभी सदस्यों के नवीनतम पते भी शामिल हैं। यह सूची राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के आधार पर वर्णमाला क्रम में व्यवस्थित की गई है।

भारत निर्वाचन आयोग में सहायक निदेशक अपूर्व कुमार सिंह ने बताया कि यह सूची अधिसूचना की तारीख से भारत निर्वाचन आयोग में स्थापित एक काउंटर पर खरीद के लिए उपलब्ध होगी। अधिसूचना की घोषणा जल्द होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। हाल ही में आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति की थी।

ईसीआई ने बयान में बताया था कि पिछले उपराष्ट्रपति निर्वाचन के दौरान लोकसभा के महासचिव को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया था। इसलिए, निर्वाचन आयोग ने विधि और न्याय मंत्रालय से परामर्श करके तथा राज्यसभा के उपसभापति की सहमति से राज्यसभा के महासचिव को आगामी उपराष्ट्रपति निर्वाचन, 2025 के लिए रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है।

इसके अलावा, राज्यसभा सचिवालय की संयुक्त सचिव गरिमा जैन और राज्यसभा सचिवालय के निदेशक विजय कुमार को उपराष्ट्रपति निर्वाचन, 2025 के दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया है।

कैबिनेट ने चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

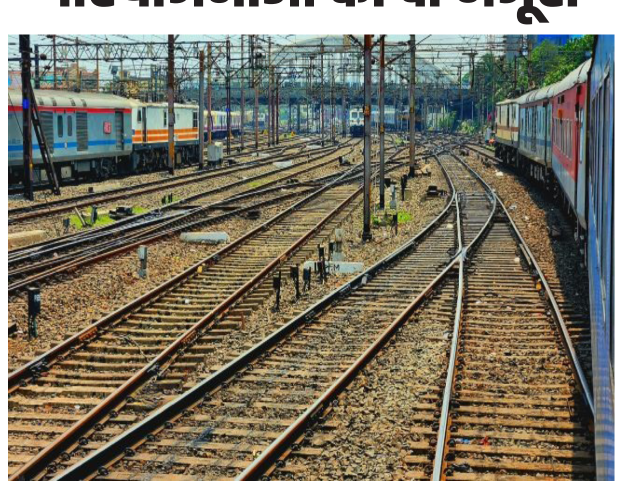

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली रेल मंत्रालय की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को गुरुवार को मंजूरी प्रदान की। इससे भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 574 किलोमीटर बढ़ जाएगा। इन परियोजनाओं की कुल लागत 11,169 करोड़ रुपये आंकी गई है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 11,169 करोड़ रुपये (लगभग) है।

रेलवे की चार परियोजनाएं

इनमें इटारसी – नागपुर चौथी रेल लाइन, अलुअबारी रोड–न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन छत्रपति संभाजीनगर–परभणी डबलिंग, डांगापोसी–जरौली तीसरी और चौथी लाइन प्रमुख रूप से शामिल हैं।

यह चारों दिशाओं का मिलन बिंदु

इटारसी-नागपुर चौथी रेलवे लाइन को लेकर वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन को मंजूरी दी है। इसका निर्माण दिल्ली और चेन्नई के साथ-साथ मुंबई और हावड़ा को जोड़ने वाले उच्च-घनत्व वाले गलियारे पर किया जाएगा। यह चारों दिशाओं का मिलन बिंदु है। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 574 किलोमीटर की वृद्धि होगी, जिससे कुल नेटवर्क और अधिक सशक्त होगा।

2,309 गांवों तक बढ़ेगा सम्पर्क, 43 लाख लोगों को होगा लाभ

उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 2,309 गांवों तक सम्पर्क बढ़ेगा, जो लगभग 43 लाख लोगों की आबादी को सीधा लाभ पहुंचाएंगे। यह परियोजनाएं कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि उत्पाद, पेट्रोलियम जैसे आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए अहम मार्गों पर गतिशीलता को बढ़ावा देंगी।

इसके अलावा इन परियोजनाओं से सालाना 95.91 मिलियन टन अतिरिक्त मालवाहक ट्रैफिक को संभालने की क्षमता भी बढ़ेगी, जिससे देश के औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों को प्रत्यक्ष लाभ होगा।

दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर होंगे एसबीके सिंह, गृह मंत्रालय ने सौंपा अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एसबीके सिंह को दिल्ली पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 1988 बैच के एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी एसबीके सिंह 1 अगस्त, 2025 से दिल्ली पुलिस कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

आदेश जारी, अगले निर्देश तक रहेगा प्रभार

गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इस नियुक्ति को मंजूरी दी। वर्तमान में दिल्ली होम गार्ड्स के महानिदेशक के रूप में कार्यरत सिंह को अगले आदेश तक यह अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। मंत्रालय ने इस आदेश की प्रति दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव और संबंधित अधिकारियों को भेजी है, साथ ही इसे वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया है।

संजय अरोड़ा का कार्यकाल समाप्त

वर्तमान पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, जो तमिलनाडु कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, 31 जुलाई, 2025 को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने 1 अगस्त, 2022 को राकेश अस्थाना के स्थान पर दिल्ली पुलिस आयुक्त का पद संभाला था।

एसबीके सिंह का अनुभव

एसबीके सिंह अपने व्यापक पुलिसिंग और आंतरिक सुरक्षा के अनुभव के लिए जाने जाते हैं। यह नियुक्ति प्रशासनिक फेरबदल के तहत की गई है और सिंह अगले आदेश तक दिल्ली पुलिस के नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे।

ट्रंप टैरिफ को लेकर बोले पीयूष गोयल

-राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाए जाएंगे सभी जरूरी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत की ओर से अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री गोयल की ओर से यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी लगाने की घोषणा के बाद कही गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की "डेड इकोनॉमी" वाली टिप्पणी की किया खारिज

संसद को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति की "डेड इकोनॉमी" वाली टिप्पणी को भी खारिज करते हुए कहा कि भारत 10 वर्षों में 11वीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

विश्व अर्थव्यवस्था में भारत का एक उज्ज्वल स्थान

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के अनुसार, इंटरनेशनल एजेंसी भारत को विश्व अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखती हैं। गोयल ने कहा, "भारत ने संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए देशों के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। हम और अधिक देशों के साथ ऐसे एफटीए हासिल करना चाहते हैं।"

भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

उन्होंने आगे कहा कि भारत अपने सुधारों, एमएसएमई और उद्योग जगत के प्रयासों के माध्यम से वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हम अपने किसानों की सुरक्षा और उन्हें प्रमोट करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। सरकार को विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने का विश्वास है। भारत आत्मविश्वास के साथ 'मेक इन इंडिया' की ओर बढ़ रहा है।"

भारत और अमेरिका ने बीटीए पर बातचीत शुरू की

गोयल के अनुसार, भारत और अमेरिका ने एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर बातचीत करने का निर्णय लिया है, जिसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, "2 अप्रैल, 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसमें 5 अप्रैल, 2025 से प्रभावी 10 प्रतिशत की बेसलाइन ड्यूटी, 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के साथ, भारत के लिए कुल 26 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की गई। फुल कंट्री स्पेसिफिक एडिशनल टैरिफ 9 अप्रैल, 2025 से लागू होने वाला था। लेकिन 10 अप्रैल को इसे शुरू में 90 दिनों तक और फिर 1 अगस्त तक बढ़ा दिया गया।"

केंद्रीय मंत्री गोयल ने आगे कहा, "मार्च 2025 में, भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत शुरू की। लक्ष्य अक्टूबर-नवंबर 2025 तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना था।"

आईएमएफ ने कहा- वित्त वर्ष 26 और 27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान

गौरतलब हो, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) ने इस सप्ताह कहा कि वित्त वर्ष 26 और 27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो अप्रैल के पूर्वानुमान की तुलना में अधिक अनुकूल बाह्य वातावरण को दर्शाता है।

वहीं, आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अपने पूर्वानुमान को 20 आधार अंकों (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वैश्विक एजेंसी ने वित्त वर्ष 27 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को भी 10 आधार अंकों (बीपीएस) बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे

वाणिज्य मंत्रालय ने पहले दिए एक बयान में कहा था कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, "हम इस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार अपने किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के कल्याण की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है।" केंद्र की ओर से कहा गया, "अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जैसा कि ब्रिटेन के साथ हाल ही में हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है।"

इस्लाम खान ने काश्य पदक जीत कर देश को गोरवान्वित किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के मोहम्मद इस्लाम खान ने वियतनाम में आयोजित हुई नवी एशियन पेनचक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में काश्य पदक हासिल किया 25 जुलाई से 30 जुलाई को आयोजित हुवी 9वी एशियन पेनचक चैंपियनशिप वेतनाम में इंडियन टीम कोच इरफान अज़ीज़ बोटा, प्रेसिडेंट किशोर प्रकाश के नेतृत्व में चुरु के मो. इस्लाम खान पुत्र मो आमीन खान वार्ड न. 38 चुरु के ओपन -2 110+ वेट केटेगरी में काश्य पदक हासिल किया। इंडियन पेनचेक सिलेट चेयरमेन मुहम्मद इकबाल, राजस्थान सेक्टेरी पूरणमल जाट, कोच नरपत सिंह दुधवाखारा और चुरु अध्यक्ष पारश कवर ने शुभकामनाए दी। और कहा की काश्य पदक जीत कर देश का नाम रोशन किया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

'ज्ञान का दीपक' जलाना: जब रोशनी फैलाना अपराध बन जाए

जब कोई समाज इस हद तक डर, भ्रम और सत्ता की भूख से ग्रसित हो जाए कि वह किताबों से डरने लगे, सवाल पूछने वालों को देशद्रोही कहे, और स्कूल-कॉलेजों को एक विचारधारा का प्रचार तंत्र बना दे—तो वहां 'ज्ञान का दीपक' जलाना सच में एक अपराध बन जाता है। ज्ञान, यानी सोचने, समझने और विवेक से निर्णय लेने की क्षमता, किसी भी सभ्य समाज की सबसे बड़ी पूंजी होती है। लेकिन जब यही ज्ञान सत्ता के लिए खतरा बन जाए, तब सच्चाई बोलना, सच को जानना और उसे दूसरों तक पहुंचाना गुनाह माना जाने लगता है। इतिहास गवाह है—चाहे वह गैलीलियो हो, जिसने कहा था कि धरती सूरज के चारों ओर घूमती है, या फिर सुकरात, जिसने युवाओं को सोचने की तालीम दी—इन सबको सत्ता ने खतरनाक घोषित किया। क्यों? क्योंकि इन्होंने समाज को जड़ता से हिलाने की कोशिश की थी, उन्होंने 'ज्ञान का दीपक' जलाया था। आज भी जब किसी छात्र को सवाल पूछने पर देशद्रोही कहा जाए, किसी शिक्षक को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाल दिया जाए कि उसने किसी सत्ता के खिलाफ लिखा या बोला, किसी पत्रकार को जेल में डाल दिया जाए कि उसने सत्ता से असहज सवाल पूछ लिए—तो यह साफ हो जाता है कि वह समाज ज्ञान को अपराध मानने लगा है। एक ऐसे समाज की कल्पना कीजिए जहां बच्चे सिर्फ वही पढ़ें जो सत्ता चाहती है, जहां इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाए, जहां विज्ञान और तर्क को अंधविश्वास की चादर में लपेट दिया जाए, और जहां किताबों की जगह भक्ति को रख दिया जाए—तो समझ लीजिए कि वहां ज्ञान की रोशनी अब अंधेरे से डरने लगी है। 'ज्ञान का दीपक' जलाना वहां अपराध बन जाता है जहां लोग सवालों से नहीं, जवाबों से डरते हैं। जहां शिक्षण संस्थान स्वतंत्र नहीं, राजनीतिक एजेंडे से संचालित होते हैं। जहां विद्यार्थियों को नागरिक नहीं, सिर्फ उपभोक्ता और वोटर के रूप में देखा जाता है। सत्ता को यह डर होता है कि अगर जनता पढ़-लिख गई, सोचने लगी, तर्क करने लगी, तो फिर वह झूठे नारों, खोखले वादों और भ्रामक प्रचारों से बहकाई नहीं जा सकेगी। इसलिए वह ज्ञान को नियंत्रित करना चाहती है। ज्ञान केवल किताबों में नहीं होता—वह विचारों में होता है, बहस में, संवाद में, कला और साहित्य में, और उस सवाल में भी होता है जो बच्चे मासूमियत से पूछते हैं। लेकिन जब वही सवाल 'असहमति' बन जाए, और असहमति 'राजद्रोह'—तो समझ लीजिए कि समाज बीमार है। 'ज्ञान का दीपक' जलाना अपराध नहीं, एक क्रांति है। यह दीपक डर की दीवारों को तोड़ता है, सोचने की नई खिड़कियां खोलता है और झूठ के अंधेरे को रोशनी से भर देता है। यह दीपक जलाना हर उस नागरिक का कर्तव्य है जो अपने देश को एक बेहतर, विवेकशील और न्यायप्रिय समाज बनते देखना चाहता है। तो सवाल यह नहीं कि 'ज्ञान का दीपक' जलाना किस समाज में अपराध हो सकता है, सवाल यह है कि हम ऐसे समाज को कब तक स्वीकार करते रहेंगे? जब तक सवाल जिंदा हैं, तब तक उम्मीद है कि रोशनी बुझेगी नहीं। क्योंकि जहां ज्ञान अपराध हो, वहां चुप्पी सबसे बड़ा पाप होती है।

"चुनाव आयोग का हाल-बेहाल: डगमगाता लोकतंत्र और बढ़ता सत्ता का साया"

-ईवीएम, वीवीपैट और पारदर्शिता पर संदेह की परतें

भारत में चुनाव आयोग को "लोकतंत्र का प्रहरी" कहा जाता है। इसकी भूमिका न सिर्फ चुनाव कराना है, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करना भी है। परंतु पिछले कुछ वर्षों में आयोग की कार्यशैली, निर्णय लेने की प्रक्रिया और सत्तारूढ़ दल के प्रति उसके रवैये को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। क्या चुनाव आयोग अब सत्ता के दबाव में आ गया है? क्या यह संस्थान अब निष्पक्ष और स्वतंत्र नहीं रहा? इस लेख में हम इन सभी पहलुओं का विश्लेषण करेंगे।

चुनाव आयोग: संरचना और संवैधानिक दर्जा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 से 329 तक चुनाव आयोग का उल्लेख मिलता है। आयोग का मुख्य कार्य संसद, राज्य विधानसभाओं, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से संचालित करना है। पहले आयोग में केवल एक मुख्य चुनाव आयुक्त होते थे, लेकिन 1993 से इसमें दो अतिरिक्त चुनाव आयुक्तों को शामिल किया गया। आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए संविधान ने इसकी नियुक्ति और कार्यकाल को सुरक्षित किया है — लेकिन क्या आज यह सुरक्षा प्रभावी रह गई है?

राजनीतिक हस्तक्षेप और नियुक्तियों पर सवाल

2010 के बाद से आयोग की नियुक्तियों को लेकर अनेक विवाद खड़े हुए। पूर्व में आयोग में ऐसे अफसर नियुक्त होते थे जिनकी निष्पक्षता, प्रशासनिक दृढ़ता और राजनीतिक संतुलन की छवि होती थी। मगर हालिया वर्षों में यह धारणा तेजी से बदली है। उदाहरण के लिए, 2023 में लाए गए चुनाव आयुक्त नियुक्ति विधेयक में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के नेता की समिति द्वारा नियुक्ति का प्रावधान किया गया। इसमें मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाना संविधान की आत्मा पर कुठाराघात के रूप में देखा गया। क्या यह बदलाव आयोग को कार्यपालिका के अधीन करने की दिशा में नहीं है?

चुनाव आयोग के हालिया फैसले: पक्षपात के आरोप

आदर्श आचार संहिता पर दोहरा मापदंड

चुनावों के दौरान नेताओं के भड़काऊ भाषणों और सांप्रदायिक टिप्पणियों पर आयोग की प्रतिक्रिया संदिग्ध रही है। एक ओर विपक्षी नेताओं पर त्वरित कार्रवाई होती है, वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं पर आयोग अक्सर "मौन" रहता है।

वीवीपैट और ईवीएम विवाद

वोटिंग में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वीवीपैट का इस्तेमाल जरूरी माना गया। लेकिन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद 5% वीवीपैट मिलान से आगे कोई कदम नहीं उठाया। अनेक राज्यों में ईवीएम की "सील टूटने", "अनधिकृत व्यक्तियों के साथ पाए जाने" की खबरें आईं, लेकिन आयोग की ओर से या तो खंडन आया या जांच का आश्वासन — नतीजे सामने नहीं आए।

चुनाव की तारीखों की घोषणा में देरी और राजनीतिक लाभ

पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में यह आरोप लगा कि तारीखों की घोषणा जानबूझकर देर से की गई, जिससे सत्तारूढ़ दल को "रैलियों और उद्घाटनों" का पूरा मौका मिल सके।

चुनाव आयोग की निष्क्रियता: लोकतंत्र पर असर

जब देश की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था निष्पक्षता और पारदर्शिता से समझौता करती है, तो पूरे लोकतंत्र पर संकट मंडराता है। चुनावों में पैसे, बाहुबल और मीडिया के दुरुपयोग की निगरानी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। मगर आयोग की निष्क्रियता या चुप्पी ने इन अनियमितताओं को "नया सामान्य" बना दिया है। नतीजा — आम जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया से डगमगाने लगा है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और चेतावनी

मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा: "हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि देश का चुनाव आयोग कार्यपालिका का बंदी न बने।" कोर्ट ने आयोग को "स्वतंत्र और निष्पक्ष" बनाए रखने के लिए एक चयन समिति बनाने की बात कही थी, जिसमें CJI शामिल हो। लेकिन सरकार ने इसे नज़रअंदाज़ करते हुए नया विधेयक पारित कर दिया। यह स्थिति भारतीय लोकतंत्र की संरचनात्मक नींव को कमज़ोर करने वाली है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आयोग की भूमिका

चुनावों में मीडिया का प्रभाव काफी बढ़ चुका है। फर्जी खबरें, भ्रामक प्रचार और ट्रोलिंग आज आम बात है। इन पर नजर रखना भी आयोग की ज़िम्मेदारी है। लेकिन सवाल यह है — जब टीवी चैनल खुलेआम सत्ता पक्ष के पक्ष में झुके हुए दिखते हैं, और सोशल मीडिया पर विपक्ष के खिलाफ दुष्प्रचार चलता है, तो आयोग का निगरानी तंत्र कहाँ है? 2019, 2021 और 2024 के आम चुनावों में ऐसे कई उदाहरण मिले जहाँ आयोग ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर कोई स्पष्ट या प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

चुनावी खर्च और पारदर्शिता का अभाव

वर्तमान व्यवस्था में प्रत्याशियों के चुनावी खर्च पर कुछ हद तक सीमा तय की गई है, लेकिन सच्चाई यह है कि "पार्टी फंडिंग" और "गुप्त चंदा" के ज़रिए करोड़ों रुपए चुनावों में खर्च होते हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड्स की व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया, क्योंकि यह गुप्त दान को बढ़ावा देती थी। लेकिन क्या चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर कभी खुलकर कोई रुख अपनाया? नहीं।

संवैधानिक संस्थाओं पर मंडराता ख़तरा

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता केवल

एक संस्था की बात नहीं है — यह भारत के संविधान और लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ी हुई है। यदि यह संस्था निष्पक्ष न रहे, तो जनता का विश्वास टूटता है। और जब विश्वास टूटता है, तो लोकतंत्र केवल "चुनावी मशीन" बनकर रह जाता है — जिसमें वोटिंग तो होती है, लेकिन जन-आकांक्षा पर असर नहीं पड़ता।

संभावनाएं और समाधान: फिर से बहाली की ज़रूरत

आज यदि देश को एक मजबूत, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था चाहिए, तो निम्नलिखित सुधारों की सख्त जरूरत है: चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में पारदर्शिता हो CJI, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री — तीनों की समिति से नियुक्ति सुनिश्चित हो।

आयोग को संवैधानिक रूप से अधिक स्वतंत्र बनाया जाए

आयोग का बजट, प्रशासनिक स्वतंत्रता और जांच एजेंसियों पर अधिकार मजबूत किया जाए।

दोषपूर्ण आचार संहिता लागू करने पर स्वतः संज्ञान लेने की शक्ति का प्रयोग हो

केवल शिकायत के बाद नहीं, बल्कि स्वतः भी कार्रवाई हो।

चुनावी फंडिंग और खर्च की निगरानी के लिए अलग विंग बने

राजनीतिक दलों के फंडिंग की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

मीडिया और सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग

आयोग को सायबर एक्सपर्ट्स और फेक न्यूज मॉनिटरिंग यूनिट की मदद लेनी चाहिए।

लोकतंत्र की आत्मा को बचाइए

भारत एक महान लोकतांत्रिक देश है। इसका लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि उन संस्थाओं की निष्पक्षता और स्वतंत्रता से जीवित है जो इन चुनावों का संचालन करती हैं। यदि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो गई, तो लोकतंत्र केवल एक 'कागज़ी अवधारणा' बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता है कि नागरिक, मीडिया, न्यायपालिका और राजनीतिक दल मिलकर इस संस्था की स्वतंत्रता की रक्षा करें।

क्योंकि अगर चुनाव आयोग "सत्ता का उपकरण" बन गया, तो जनता की आवाज़ खो जाएगी। और जब जनता की आवाज़ नहीं रहेगी, तब संसदीय लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं बचेगा। भारत में चुनाव आयोग को लोकतंत्र का प्रहरी माना जाता है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इसकी निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल उठे हैं। आयोग की कार्यप्रणाली, नियुक्तियों की प्रक्रिया और सत्ता पक्ष के प्रति नरमी जैसी कई बातों ने इसकी साख को गहरा नुकसान पहुंचाया है। आयोग की नियुक्तियों में हाल के बदलाव, जैसे 2023 में लाए गए कानून से CJI को चयन समिति से हटाना, इसे कार्यपालिका के अधीन करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इससे आयोग की स्वतंत्रता को सीधी चोट पहुंची है।

चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता के दोहरे मापदंड, ईवीएम और वीवीपैट विवाद, और तारीखों की घोषणा में देरी जैसे मामले, आयोग की भूमिका को संदिग्ध बनाते हैं। इसके अलावा मीडिया और सोशल मीडिया पर सत्ता के पक्ष में प्रचार तथा विपक्ष के खिलाफ ट्रोलिंग पर आयोग की चुप्पी लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। चुनावी खर्च और गुप्त फंडिंग जैसे मुद्दों पर भी आयोग की निष्क्रियता दिखी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड्स को अवैध करार दिए जाने के बावजूद आयोग का ठोस रुख सामने नहीं आया। इन हालातों में आयोग की स्वतंत्रता और साख को बचाने के लिए जरूरी है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता हो, जांच एजेंसियों पर आयोग का नियंत्रण बढ़े और स्वतः संज्ञान की शक्ति का प्रयोग किया जाए।

अगर चुनाव आयोग सत्ता का उपकरण बन गया, तो भारत का लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा। इसकी निष्पक्षता बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

चीन की कथनी और करनी में फर्क: दोस्ती की बातों के पीछे छिपा विस्तारवाद

-भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया: संयम के साथ शक्ति प्रदर्शन

दुनिया की दो सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश—भारत और चीन—के रिश्ते ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से काफी पुराने हैं। हालांकि बीते कुछ दशकों में इन संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में, चीन की कथनी और करनी में बढ़ते फर्क ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या चीन एक भरोसेमंद पड़ोसी है? भारत को आज जहां वैश्विक स्तर पर बड़ी ताकतों का समर्थन मिल रहा है, वहीं चीन के साथ रिश्तों में सतर्कता की ज़रूरत भी महसूस की जा रही है। चीन एक तरफ व्यापार और कूटनीति की बातें करता है, वहीं दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर घुसपैठ, दक्षिण चीन सागर में आक्रामकता, और छोटे पड़ोसी देशों को आर्थिक जाल में फंसाना उसकी दोहरी रणनीति का हिस्सा है।

चीन की विस्तारवादी सोच

चीन की नीतियों में सदियों से ही एक प्रकार की 'विस्तारवादी सोच' देखी जाती रही है। चाहे तिब्बत पर कब्ज़ा हो, हांगकांग की स्वायत्तता खत्म करना, या फिर दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप बनाकर सैनिक अड्डे खड़ा करना—चीन ने हमेशा यह दिखाया है कि उसकी कथनी और करनी में मेल नहीं है। भारत के संदर्भ में, चीन बार-बार कहता रहा है कि वह सीमा विवाद को बातचीत से सुलझाना चाहता है, पर उसके सैनिक बार-बार भारतीय सीमा में घुसपैठ करते हैं। गलवान घाटी की घटना ने चीन के असली चेहरे को बेनकाब कर दिया।

व्यापार में निर्भरता: एक धोखा या मजबूरी?

भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत मजबूत रहे हैं। भारत में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी और दवाओं के लिए कच्चा माल आदि में चीन की हिस्सेदारी बहुत अधिक है। भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम तो उठाए हैं, पर चीन अभी भी भारतीय बाज़ार में एक मजबूत खिलाड़ी बना हुआ है। चीन ने भारत में निवेश बढ़ाने की कोशिशें भी की हैं, लेकिन यह निवेश कई बार रणनीतिक क्षेत्रों में किया गया है, जैसे टेक स्टार्टअप्स, फाइनेंस, और सोशल मीडिया ऐप्स। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह आर्थिक सहयोग है या भविष्य में नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश?

कूटनीति के मंच पर दोहरी चाल

चीन, एक तरफ ब्रिक्स (BRICS), शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और G20 जैसे मंचों पर भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात करता है, लेकिन दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा दिखाई देता है। चीन ने कई बार पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों और आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में डलवाने से रोका है। यह बात भारत के लिए चिंताजनक है कि एक ओर दोस्ती की बातें होती हैं, और दूसरी ओर दुश्मनों का समर्थन।

तकनीकी और साइबर सुरक्षा में खतरा

चीन की तकनीकी कंपनियों के भारत में बढ़ते प्रभाव को लेकर हाल के वर्षों में चिंता बढ़ी है। टिकटॉक, वीचैट, अलीबाबा और अन्य चीनी कंपनियां न केवल डेटा एकत्र कर रही थीं बल्कि सामरिक दृष्टि से संवेदनशील सूचनाओं को भी प्रभावित कर सकती थीं। इसी कारण भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से दर्जनों चीनी ऐप्स को बैन किया। इसके पीछे कारण था—साइबर जासूसी और डेटा की चीन को संभावित आपूर्ति। यह एक और उदाहरण है कि चीन किस प्रकार कथनी में सहयोगी और करनी में चालाक है।

सीमा विवाद और सैनिक टकराव

भारत-चीन सीमा पर तनाव कोई नई बात नहीं है। 1962 की जंग,

1967 की नाथू ला झड़प, 2017 का डोकलाम गतिरोध और 2020 का गलवान संघर्ष इस बात की मिसालें हैं कि चीन विश्वासघात से बाज नहीं आता। भारत बार-बार बातचीत से समाधान की बात करता है, लेकिन चीन LAC पर स्थिति को बदलने की कोशिश करता है। सैटेलाइट तस्वीरों और रिपोर्टों में यह साफ दिखा कि चीन ने कई बार भारतीय क्षेत्रों में घुसपैठ की, बंकर बनाए और सैन्य निर्माण किए।

वैश्विक रणनीति: 'डेथ ट्रैप डिप्लोमेसी'

चीन की विदेश नीति में 'Belt and Road Initiative (BRI)' के ज़रिए छोटे और गरीब देशों को कर्ज़ में डुबोकर उन्हें अपने अधीन करने की रणनीति देखी गई है। श्रीलंका में हम्बनटोटा पोर्ट इसका उदाहरण है, जहां कर्ज़ न चुका पाने की स्थिति में बंदरगाह को 99 साल के लिए चीन को सौंपना पड़ा। भारत ने BRI का विरोध किया है क्योंकि इसका एक हिस्सा पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है, जिसे भारत अपनी संप्रभुता पर हमला मानता है।

चीन की जनरल पब्लिक **ओपिनियन और सरकारी रवैया**

चीन की आंतरिक राजनीति, सेंट्रल कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में है। वहां की मीडिया, सोशल मीडिया और हर विचार पर सरकार की पूरी पकड़ है। आम जनता को जो बताया जाता है, वही वह मानती है। चीन के नागरिकों को भारत या अन्य देशों की सही तस्वीर नहीं दिखाई जाती। इससे चीन में भारत विरोधी भावना को बढ़ावा मिलता है, जो फिर सरकार के आक्रामक रवैये को वैधता देती है।

भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया: संयम, पर सख्ती के साथ

भारत ने हमेशा शांति और स्थायित्व की नीति अपनाई है। लेकिन अब भारत ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। गलवान के बाद भारत ने सेना को मजबूत किया, सड़कों का निर्माण तेज़ किया, और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति को बढ़ाया। भारत ने क्वाड (QUAD) समूह के साथ अपनी भागीदारी को मज़बूत किया है, जिसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं। इससे चीन को कड़ा संदेश गया है कि भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है।

चीन की कथनी और करनी का अंतर्विरोध

चीन की नीति "मुस्कान के पीछे दाँत" की तरह रही है। वह एक ओर आर्थिक भागीदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की बात करता है, लेकिन उसकी हरकतें विश्वास तोड़ने वाली होती हैं। भारत जैसे राष्ट्र को यह समझना होगा कि चीन को शब्दों से नहीं, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से परखना चाहिए। हमारे पड़ोसी की चालबाजियों पर कड़ी निगरानी और रणनीतिक जवाब समय की मांग है। भारत और चीन, दोनों एशियाई महाशक्तियाँ हैं। यदि दोनों देशों में विश्वास होता तो एशिया एक नया युग देख सकता था। लेकिन जब तक चीन की कथनी और करनी में मेल नहीं आता, तब तक भारत को सावधानी और समझदारी से ही रिश्तों को आगे बढ़ाना होगा।

सिराजुद्दौला की शहादत: जब भारत ने पहली बार अंग्रेज़ों को ललकारा

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी महज़ 1857 की क्रांति से शुरू नहीं होती। उससे कहीं पहले भी कई वीरों ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध मोर्चा लिया था। इन्हीं में से एक थे—नवाब सिराजुद्दौला, जिन्होंने अठारहवीं सदी में अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ खुलकर जंग लड़ी थी। सिराजुद्दौला को अक्सर बंगाल के अंतिम स्वतंत्र नवाब के रूप में याद किया जाता है, जिनका संघर्ष भारत में औपनिवेशिक शासन के पहले अध्याय का निर्णायक मोड़ साबित हुआ।

प्रारंभिक जीवन

सिराजुद्दौला का जन्म सन् 1733 में हुआ था। वह बंगाल के नवाब अलिवर्दी ख़ान के नाती थे और बचपन से ही उन्हें खास तालीम और सैन्य प्रशिक्षण दिया गया। अलिवर्दी ख़ान ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और 1756 में उनके देहांत के बाद सिराजुद्दौला बंगाल के नवाब बने। उनके पास बंगाल, बिहार और उड़ीसा का विशाल और समृद्ध क्षेत्र था, जो उस वक़्त पूरे भारत में सबसे अमीर इलाक़ा माना जाता था। लेकिन नवाब बनने के तुरंत बाद ही उन्हें कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

अंग्रेज़ों से टकराव के कारण

ईस्ट इंडिया कंपनी उस समय बंगाल में व्यापार कर रही थी, लेकिन धीरे-धीरे उसने क़िलेबंदी शुरू कर दी, गुप्त रूप से हथियार जमा किए और स्थानीय प्रशासन को नज़रअंदाज़ कर अपनी ताक़त बढ़ाने लगी। सिराजुद्दौला ने कंपनी को चेताया कि वो इस तरह की गतिविधियों से बाज़ आए, लेकिन जब उन्होंने आदेशों की अवहेलना की, तो नवाब ने क़िला विलियम (कलकत्ता) पर चढ़ाई कर दी। जून 1756 में कलकत्ता पर हमला कर सिराजुद्दौला ने उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। इसी घटना के बाद 'ब्लैक होल ट्रैजेडी' की कहानी सामने आई, जिसे अंग्रेज़ों ने बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया ताकि अपने देश में सिराजुद्दौला के खिलाफ नफ़रत फैलाई जा सके।

प्लासी का युद्ध (Battle of Plassey - 1757)

यह युद्ध भारतीय इतिहास का एक निर्णायक मोड़ था। सिराजुद्दौला की बढ़ती ताक़त से परेशान होकर अंग्रेज़ों ने एक षड्यंत्र रचा। रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में अंग्रेज़ों ने सिराज के सेनापति मीर जाफर, बंगाल के कुछ अमीरों और व्यापारियों को पैसे और सत्ता का लालच देकर नवाब के खिलाफ कर दिया। 23 जून 1757 को प्लासी के मैदान में नवाब की सेना और ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के बीच युद्ध हुआ। सिराजुद्दौला की सेना संख्या में ज़्यादा थी लेकिन उसके कई विश्वसनीय साथी धोखेबाज़ साबित हुए। मीर जाफर ने युद्ध के समय अपनी फौज को निष्क्रिय रखा, जिससे नवाब की हार हुई।

सिराजुद्दौला का अंत

प्लासी की हार के बाद सिराजुद्दौला को पकड़ने के लिए अंग्रेज़ों ने साजिश की। वह भागकर बिहार की ओर गए लेकिन विश्वासघात के कारण पकड़ लिए गए। 2 जुलाई 1757 को सिराजुद्दौला की हत्या कर दी गई। उनकी मौत ने भारत की स्वतंत्रता के उस पहले प्रयास को हमेशा के लिए खामोश कर दिया, और ईस्ट इंडिया कंपनी की सत्ता की नींव रख दी गई।

सिराजुद्दौला का योगदान

भले ही सिराजुद्दौला की हार हो गई, लेकिन उनका साहस और संघर्ष भारत में विदेशी कब्ज़े के विरुद्ध पहला संगठित सैन्य प्रतिरोध था। उन्होंने: बंगाल की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी, विदेशी व्यापारिक ताक़तों की राजनीतिक मंशाओं को पहचान लिया, देशी गद्दारों के दोहरे चेहरे उजागर किए, भारतीय जनता को यह दिखाया कि विदेशी व्यापारी भी शासक बनने की चाह रखते हैं।

मीर जाफर का विश्वासघात

अगर मीर जाफर गद्दारी न करता तो शायद भारत का इतिहास कुछ और होता। मीर जाफर अंग्रेज़ों का मोहरा बन गया और नवाब घोषित कर दिया गया, लेकिन जल्द ही

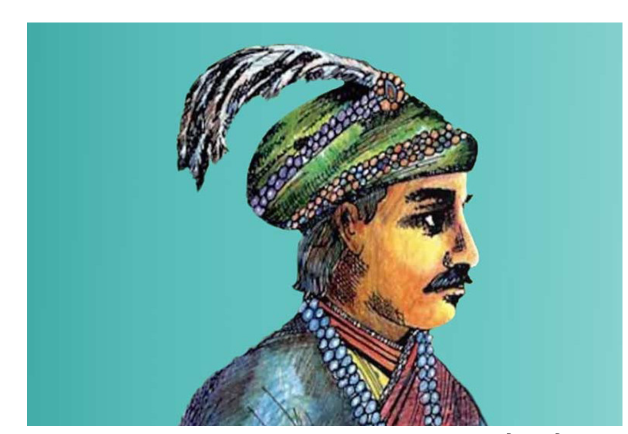

उसे भी हटा दिया गया क्योंकि अंग्रेज़ों को सिर्फ कठपुतली हुक्मरान चाहिए थे। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ़ कर दिया कि ब्रिटिश हुकूमत का रास्ता सिर्फ सैन्य ताक़त से नहीं, बल्कि भारतीयों की गद्दारी से भी आसान हुआ।

ऐतिहासिक महत्व और विरासत

आज भले ही स्कूल की किताबों में सिराजुद्दौला का नाम एक छोटे संदर्भ में आता हो, लेकिन इतिहास उन्हें भारत के पहले शहीद क्रांतिकारियों में गिनता है। उनकी कुर्बानी भारत में अंग्रेज़ी राज के खिलाफ पहला बिगुल थी। उनकी विरासत हमें यह सिखाती है कि: अंतरराष्ट्रीय व्यापार का दायरा अगर बढ़ता जाए और स्थानीय प्रशासन कमजोर हो तो राजनीतिक हस्तक्षेप स्वाभाविक होता है, आंतरिक गुटबाज़ी और विश्वासघात किसी भी मजबूत सत्ता को गिरा सकती है, स्वाभिमान, न्याय और अखंडता के लिए किसी भी कीमत पर संघर्ष ज़रूरी है।

आज का परिप्रेक्ष्य

आज जब हम भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे कर चुके हैं, तब यह ज़रूरी है कि हम सिराजुद्दौला जैसे वीरों को याद रखें, जिनकी कुर्बानियों ने भारत को गुलामी की जंजीरों में जकड़ने से पहले आख़िरी लड़ाई लड़ी। सिराजुद्दौला सिर्फ एक नवाब नहीं थे, वह उस दौर के चेतनशील भारत का प्रतीक थे, जिसे अपने स्वाभिमान और हक़ के लिए जान कुर्बान करना मंज़ूर था लेकिन विदेशी शासन नहीं। भारत की आज़ादी की कहानी सिराजुद्दौला जैसे उन नायकों के बिना अधूरी है, जिन्होंने अंग्रेज़ों की चालों को समझा, उनके खिलाफ आवाज़ उठाई और अंततः अपने जीवन की आहुति दी। उनकी शहादत एक सबक है कि देश की रक्षा के लिए सिर्फ बंदूक नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, साहस और एकता भी ज़रूरी है। सिराजुद्दौला की ज़िंदगी हमें याद दिलाती है कि गुलामी की जंजीरें जब कभी भी दस्तक दें, तो हमें किसी न किसी सिराज की तरह खड़ा होना ही होगा। और यही उनकी असली विरासत है। सिराजुद्दौला को भारत में अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ सबसे पहले संगठित विरोध करने वाला योद्धा माना जाता है। 1756 में बंगाल के नवाब बनने के बाद उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी की बढ़ती साज़िशों को चुनौती दी। कलकत्ता पर हमला कर उन्होंने अंग्रेज़ों को पीछे हटने पर मजबूर किया। परंतु 1757 में प्लासी के युद्ध में मीर जाफर की गद्दारी से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। यह लड़ाई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली बड़ी कुर्बानी थी। सिराज की हत्या के बाद अंग्रेज़ों की सत्ता की नींव पुख्ता हो गई, लेकिन उनकी वीरता और बलिदान भारत के इतिहास में अमर हो गए। उन्होंने यह साबित किया कि विदेशी ताक़तें व्यापार की आड़ में हुकूमत की नीयत रखती हैं। उनकी कुर्बानी हमें आज भी याद दिलाती है कि देश की रक्षा के लिए एकता, साहस और जागरूकता बेहद ज़रूरी है।

रामदेवरा में नेत्र कुंभ का आयोजन बाबा रामदेव के आदर्शों का प्रतीक - भजनलाल शर्मा

- 33 दिन तक चलेगा नेत्र शिविर, सवा लाख से अधिक लोगों की आंखों की नि:शुल्क होगी जांच

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा रामदेव जी ने सामाजिक समरसता की स्थापना करने और समाज में गरीब एवं वंचित लोगों की पीड़ा दूर करने का काम किया। इस धरा पर नेत्र कुंभ का आयोजन बाबा रामदेव जी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा और मानव कल्याण के उनके आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

शर्मा गुरूवार को जैसलमेर के रामदेवरा में आयोजित नेत्र कुंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा सेवा जीवन में फिर से उजाले भरने जैसा पुण्य कार्य है। यह जनकल्याण और मानव सेवा की मिसाल है, जो सभी वर्गों के लिए समर्पित है।

बाबा रामदेव मेले में श्रद्धालुओं की आंखों की निःशुल्क जांच -

शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति एवं त्योहारों में सेवा का भाव सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि लोकदेवता बाबा रामदेव जी के मेले के शुभ अवसर पर आंखों के इलाज के लिए महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है। 1 अगस्त से 2 सितम्बर तक चलने वाले इस शिविर में सवा लाख से अधिक श्रद्धालुओं की आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी। साथ ही, 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की आंखों का निःशुल्क ऑपरेशन उनके निवास के नजदीक चिकित्सालय में कराने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में अहम कदम है।

लोगों के जीवन में उजियारा ला रही राज्य सरकार -

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय हमारी नीतियों का प्रमुख ध्येय है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में अनेक जनकल्याणकारी कदम उठाए हैं। नेत्र स्वास्थ्य को लेकर हमारी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है ताकि प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियां की रोशनी फैलती रहे। प्रदेश में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी तथा नेत्र चिकित्सकों और सहायकों को नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेत्रदान के माध्यम से कॉर्निया प्रत्यारोपण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे हजारों लोगों के जीवन को उजियारा मिल रहा है।

माँ योजना में प्रतिदिन 10 हजार लोगों को मिल रहा कैशलेस उपचार -

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (माँ) के माध्यम से गरीब और वंचित परिवारों को 25 लाख रुपए तक निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवा रही है। यह सिर्फ एक स्वास्थ्य बीमा योजना नहीं बल्कि लाखों जिंदगियों को बचाने का एक मानवीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस योजना में प्रतिदिन लगभग 10 हजार लोगों को 10 करोड़ रुपए की राशि का कैशलेस उपचार मिल रहा है। साथ ही, माँ वाउचर योजना लागू कर प्रतिमाह 25 हजार गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा भी दी जा रही है। अब तक लगभग 2 लाख 87 हजार महिलाओं को इस योजना के तहत वाउचर दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लगभग 50 हजार भर्तियां -

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पेपरलीक जैसी घटनाओं से युवाओं के सपनों को चकनाचूर करने का काम किया। हमारी सरकार ने डेढ़ साल में ही पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल से अधिक कार्य किए है। उन्होंने कहा कि हमनें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अब तक लगभग 24 हजार पदों पर भर्तियां की हैं और 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रिया में हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं की निर्बाध एवं समुचित उपलब्धता के लिए चिकित्सा संस्थानों का किया जा रहा निरीक्षण- पटेल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को उप जिला अस्पताल सालावास का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कृत संकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा प्रत्येक क्षेत्रवासी को स्वास्थ्य सेवाएं की निर्बाध एवं समुचित उपलब्धता सुनिश्चित हो इसलिए समय-समय पर चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

विभिन्न वार्डों का किया अवलोकन-

इस दौरान जनरल ओपीडी, लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर कॉम्पलेक्स, इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग कक्ष,ईसीजी कक्ष, एनसीडी क्लिनिक, पुरूष वार्ड, महिला वार्ड, डायलिसिस यूनिट, शिशु रोग वार्ड, जनाना वार्ड, एक्स-रे एवं सोनाग्राफी कक्ष, लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष, पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

अस्पताल परिसर को हरित परिसर के रूप में विकसित करें - पटेल

पटेल ने बीसीएमओ को क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में अधिकाधिक औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आवश्यक सामग्री एवं शुद्ध पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान हरियालो राजस्थान' के तहत अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर अस्पताल परिसर को हरित परिसर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

सभी कार्मिकों को समय पर अस्पताल में उपस्थित रहने के निर्देश

संसदीय कार्य मंत्री ने अभियान चलाकर अस्पताल परिसर एवं सभी वार्ड्स में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्मिकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएं। उन्होंने अस्पताल परिसर में पार्किंग के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मरीजों से संवाद कर व्यवस्थाओं का लिया फीडबैक

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो, चिकित्सकों द्वारा इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अस्पताल के वार्डों के अवलोकन के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर राज्य सरकार द्वारा मिल रही निःशुल्क दवा, निःशुल्क जांच सहित अन्य सुविधाओं का फीडबैक लिया।

सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देख हुए अभिभूत लोक कलाकारों का बढ़ाया उत्साह- राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे उदयपुर में अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन गुरूवार शाम को शिल्पग्राम पहुंचे। वहां सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देखकर अभिभूत हो उठे। उन्होंने लोक कलाकारों का उत्साहवर्द्धन किया। राज्यपाल बागडे ने इस दरम्यान अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न राज्यों के लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों को निहारा। उन्होंने महाराष्ट्र के लावणी नृत्य दल की शानदार प्रस्तुति का आनंद लिया तथा कलाकारों से संवाद कर उनका हौंसला बढ़ाया। इसके बाद शिल्पग्राम में लगी हस्तशिल्प स्टॉल्स का अवलोकन किया और बंजारा रंगमंच पर गुजरात के राठवा मेवासी नृत्य तथा राजस्थान के भपंग वादक कलाकारों की प्रस्तुतियों को देखा। राज्यपाल ने गोवा हट के बाहर प्रदर्शित राशियों की मूर्तिकला का भी अवलोकन किया। उन्होंने शिल्पग्राम की सांस्कृतिक समृद्धि और कलाकारों की प्रतिभा की प्रशंसा की। वहां परंपरागत लोक वाद्य बजाते कलाकारों की उपस्थिति में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान आदि ने अगवानी की।

जर्जर भवनों का तत्काल चिन्हितकरण कर, नियमानुसार करें ध्वस्त- शासन सचिव

-स्वायत्त शासन विभाग शासन सचिव ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आमजन को सुरक्षित और सुगम जीवन प्रदान करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है । राज्य में संभावित भारी वर्षा के मद्देनज़र स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने गुरुवार को राज्य स्तरीय बैठक लेकर तैयारियों की गहन समीक्षा की। इस बैठक में उन्होंने समस्त नगरीय निकायों के उच्च अधिकारियों को सतर्क रहते हुए त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जैन ने बैठक में विशेष रूप से जर्जर भवनों की पहचान एवं उन्हें गिराने के लिए चलाए जा रहे राज्य स्तरीय अभियान की प्रगति की समीक्षा की। जैन ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य के 224 नगरीय निकायों में अब तक कुल 2 हजार 699 जर्जर भवनों की पहचान की जा चुकी है तथा इन्हें नियमानुसार सील व ध्वस्त करने की कार्यवाही प्रगतिरत है। सामान्य जन की सुरक्षा सर्वोपरि बताते हुए शासन सचिव ने सख़्त निर्देश दिए कि सभी आयुक्त एवं अधीशाषी अधिकारी अपने क्षेत्रों में जाकर नियमित रूप से निरीक्षण करें एवं चिन्हित जर्जर भवनों के सामने एक स्पष्ट सूचना बोर्ड भी लगाएं , जिससे आमजन को चेतावनी मिल सके और किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। बैठक में जैन ने विदुत तंत्र की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि विदुत डिस्कॉम के अभियन्ताओं के साथ समन्वय कर सड़क किनारे ढीले तारों को तुरन्त ठीक किया जाए। साथ ही बिजली के खम्भों, डीपी, केबल बॉक्स और स्वीच बॉक्स के पास फैले हुए लूज तारों को हटाया जाए,स्वीच बॉक्स के टूटे ढक्कनों की तुरंत मरम्मत कराई जाए। इसके अतिरिक्त आकस्मिक अग्निकांड या करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अग्निशमन वाहन, तकनीकी उपकरण एवं स्टाफ को पूर्णतः तैयार रखने के निर्देश भी जैन द्वारा दिए गए। जैन ने सभी निकायों को निर्देशित किया कि वे समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें और जन-सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में संभावित खतरों को शीघ्र दूर करें। इस बैठक में हरियालो राजस्थान के तहत करवाए जा रहे पौधारोपण के कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को अपने -अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम ने 9 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में काली माता मंदिर से सेक्टर 10 मालवीय नगर, गोपालपुरा बाईपास, केशव विहार, आनन्द विहार से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 9 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में काली माता मंदिर से सेक्टर 10 मालवीय नगर, गोपालपुरा बाईपास, केशव विहार, आनन्द विहार से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 9 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

होटल शाहपुरा हाउस में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। होटल शाहपुरा हाउस में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामाजिक दायित्व और मानवता की सेवा के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें होटल स्टाफ, अतिथियों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस प्रेरणादायक सेवा कार्य का आयोजन महाराज सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा एवं रानी रत्ना कुमारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा का सदैव यह प्रयास रहा है कि शाहपुरा हाउस न केवल आतिथ्य का प्रतीक हो, बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाए। रानी रत्ना कुमारी की प्रेरणा से यह शिविर जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, डॉक्टर्स टीम एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने विशेष सहयोग प्रदान किया। शाहपुरा हाउस परिवार भविष्य में भी इसी सेवा भाव के साथ जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत शहर में माहभर विशेष स्वच्छता एवं जागरुकता गतिविधियाँ आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत शहर में माहभर विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर एवं आयुक्त डॉ. गौरव सैनी द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए।

अभियान के अंतर्गत बारिश के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में रुके हुए पानी में कीटाणुनाशक दवाइयों का छिड़काव एवं फॉगिंग का कार्य किया गया। शौचालयों की सफाई हेतु विशेष स्वच्छता अभियान चलाए गए। विद्यालयों में प्रतिदिन हैंडवॉश एवं व्यक्तिगत स्वच्छता (Personal Hygiene) के महत्व पर जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

अभियान के दौरान पत्रिका गेट पर विद्यालयी विद्यार्थियों के सहयोग से विशेष रैलियाँ एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। जिनके माध्यम से आमजन को स्वच्छता एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही सफाई मित्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें हैंडवॉश के महत्व के बारे में बताया गया। नगर निगम द्वारा ज़ोन स्तर पर सफाई मित्रों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाए गए।

विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों को STP प्लांट का भ्रमण कराया गया तथा स्लम एरिया में आमजन को कचरा पृथक्करण (Waste Segregation) एवं आस.पास स्वच्छता बनाए रखने हेतु जागरूक किया गया।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा चलाए जा रहे इस माहभर के अभियान का उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं संचारी रोगों की रोकथाम सुनिश्चित करना रहा।

जिला आबकारी अधिकारी की बड़ी कार्रवाई

-29 अभियोगों में नकली शराब के साथ 9 अभियुक्त गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के आदेशों की अनुपालना में जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर श्रीमती देविका तोमर के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम देते हुए 29 अभियोगों में नकली शराब के साथ 9 अभियुक्त गिरफ्तार किये गये।

सहायक आबकारी अधिकारी प्रदीप बिश्नोई एवं आबकारी अधिकारी आबकारी निरोधक दल शिवकुमार चौधरी की अगुवाई में आबकारी निरीक्षकों एवं प्रहराधिकारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला आबकारी अधिकारी, जयपुर शहर द्वारा जारी विशेष निरोधात्मक 25 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक जयपुर शहर में आबकारी टीम जयपुर शहर द्वारा कुल अभियोग 29 दर्ज किये। जिसमें से 7 अभियोग विशेष प्रकृति के दर्ज किए गए।

विशेष निरोधात्मक अभियान के दौरान दो चौपहिया वाहन 1 स्कॉर्पियो एवं 1 इनोवा क्रिस्टा तथा 1 दोपहिया वाहन के साथ 9 मुल्जिम गिरफ्तार किये। अन्य राज्य में विक्रय हेतु 11 बोतले एक कार में जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान स्कॉर्पियो से 40 पेटी नकली होलोग्राम युक्त देशी मदिरा बरामद कर गिरफ्तार शुदा मुल्जिमों से पूछताछ के आधार पर 5 अन्य ठिकानों पर दबिश देकर माल जब्तराज किया तथा अन्य अभियोगों में देशी मदिरा के 3 हजार 599 पव्वे, 4 अंग्रेजी अद्दे, 20 अंग्रेजी पव्वे, 03 बीयर, 01 फ्रीज बरामद किया गया। अवैध मदिरा के विक्रय भण्डारण एवं परिवहन पर पूर्णतया अंकुश लगाने हेतु निरोधात्मक कार्यवाही लगातार जारी है।

राजस्व मंडल निबंधक ने किसानों के बीच जाकर किया मोबाइल गिरदावरी प्रक्रिया का परीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। समूचे प्रदेश में शुक्रवार, एक अगस्त से आरंभ होने जा रही ऑनलाइन गिरदावरी के लिए तैयार मोबाइल गिरदावरी ऐप का लाइव टेस्टिंग गुरुवार को की गई। इसी क्रम में राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद सहित ने अतिरिक्त निबंधक, तहसीलदार अजमेर की मौजूदगी में किसानों के बीच जाकर ऑनलाइन गिरदावरी का फील्डह निरीक्षण किया। मंडल निबंधक महावीर प्रसाद की उपस्थिति में गुरुवार मध्याकह्न अजमेर तहसील के बोराज गिरदावर सर्कल के कायमपुरा ग्राम स्थित कृषक अर्जुन सिंह के खेत पर लाइव टेस्टिंग की गई जिसमें खसरा क्रमांक 2828 की ऑनलाइन गिरदावरी का पटवारी स्तसर से सफल परीक्षण हुआ।

किसान स्वदयं कर सकेंगे गिरदावरी-

समूचे राजस्थान प्रदेश में शुक्रवार एक अगस्त से पटवारी एवं स्वयं कृषक के स्तर से भी ऑनलाइन मोबाइल ऐप के जरिए गिरदावरी की सुविधा आरंभ हो जाएगी। कृषकों द्वारा स्वयं गिरदावरी किए जाने से पूर्ण जानकारी उनकी देखरेख में पारदर्शिता से दर्ज हो जाएगी और उन्हें ऐप से जमाबंदी की प्रति डाउनलोड की भी सुविधा मिल सकेगी। इस हेतु राजस्व मंडल की वेबसाइट, अपना खाता पोर्टल, एसएसओ आईडी पोर्टल आदि राजकीय वेबसाइट पर भी राज किसान गिरदावरी मोबाइल एप डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है कृषि विभाग द्वारा भी अधिक से अधिक किसानों द्वारा मोबाइल एप डाउनलोड करने व स्वयं गिरदावरी करने हेतु किसानो को जागरूक किया जा रहा है।

कृषकों से किया संवाद-

निबंधक महावीर प्रसाद ने ऑनलाइन गिरदावरी मोबाइल के परीक्षण के दौरान कृषक जन से भी संवाद किया और उन्हें ऐप के बारे में बताया। उन्होंने कृषकों से आग्रह किया कि वे ww.web-girdawari.rajasthan.gov.in एवं राज किसान गिरदावरी एप पर ऑनलाइन गिरदावरी सुविधा का लाभ उठाएं। इस सुविधा के तहत किसान स्वयं अपने मोबाइल पर राज किसान गिरदावरी एप डाउनलोड कर पंजीकरण करते हुए अपने खेत- खसरे की स्वयं गिरदावरी कर सकते हैं। ऑनलाइन गिरदावरी के लिए सभी राजस्व अधिकारियों के माध्यम से पटवारी स्तर तक को जन जागरूकता लाने की निर्देश दिए गए हैं। उन्हें एप के लाभ एवं उसके उपयोग के संबंध में तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं से भी कृषकों को अवगत कराने को कहा गया है। ऑनलाइन गिरदावरी कार्य के लिये सरकारी स्तर से पटवारी व सर्वेयर को दायित्वन दिया गया है। कृषक के स्वयं के स्तर से भी मोबाइल गिरदावरी की सुविधा दिया जाना सरकार का अभिनव कदम है। खरीफ गिरदावरी के लगभग 70 लाख खसरों की किसान गिरदावरी का लक्ष्य रखा गया है।

पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 14 लाख 25 हजार राशि का अवार्ड किया गया पारित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक्शन प्लान 2025-26 के अनुसार माह जुलाई, 2025 में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना में रिटा तेजपाल, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), जयपुर महानगर द्वितीय की अध्यक्षता में राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम मीटिंग का आयोजन किया गया।

श्रीमती पल्लवी शर्मा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश), जयपुर महानगर द्वितीय ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के क्रम में माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी एक्शन प्लान में दिए गए विभिन्न दिशा-निर्देशों की पालना में मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत हत्या, दुष्कर्म, मानव तस्करी आदि अपराधों के पीड़ित पक्ष द्वारा प्रस्तुत कुल 13 पर कमेटी के अध्यक्ष एवं सदस्यगण द्वारा विचार-विमर्श पर प्रतिकर राशि बतौर अवार्ड पारित किए गए।

उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरणों को निस्तारित करते हुए कुल 14 लाख 25 हजार रुपये की राशि का अवार्ड पारित हुआ। बैठक में अनीष दाधीच, न्यायाधीश श्रम न्यायालय क्रम सं.01, जयपुर महानगर द्वितीय, शिव कुमार, न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम सं. 1, जयपुर महानगर द्वितीय, देवी सहाय मीणा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर, अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती कुन्तल विश्नोई सहित अन्य उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मुकदमे की लंबितता के आधार नागरिकों को धार्मिक यात्रा से नहीं रोका जा सकता: हाइकोर्ट

-एडवोकेट अन्सार इन्दौरी और अजीत कसवा ने की पैरवी

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि केवल आपराधिक मुकदमे की लंबितता के आधार पर किसी नागरिक को धार्मिक यात्रा से नहीं रोका जा सकता, क्योंकि ऐसा करना अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा। यह फैसला न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढंड ने कोटा निवासी 61 वर्षीय मोहम्मद मुस्लिम खान द्वारा दायर याचिका पर सुनाया, जिनके विरुद्ध आईपीसी की धाराओं 498A और 406 में मुकदमा लंबित है। वे हज, उमरा व जियारत के लिए मक्का-मदीना जाना चाहते थे, परंतु क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कोटा ने उनके आवेदन को अस्वीकार कर दिया था। याचिकाकर्ता की तरफ़ से पैरवी कर रहे एडवोकेट अंसार इंदौरी व अजीत कस्वां ने कि व बताया कि न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट और पासपोर्ट कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है व एडवोकेट इंदौरी ने बताया कि याचिकाकर्ता ने दो बार ट्रायल कोर्ट से अनुमति मांगी। पहले अवसर पर कोर्ट ने केवल पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क करने की छूट दी, कोई स्पष्ट आदेश नहीं दिया। दूसरे आवेदन को "पहले अनुमति दे दी गई" कहकर तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया गया, जबकि वास्तव में कोई अनुमति दी ही नहीं गई थी। इस अस्पष्टता के कारण पासपोर्ट कार्यालय ने 07 मई 2025 को पत्र जारी कर यात्रा से इनकार कर दिया।

इस पर उच्च न्यायालय की स्पष्ट टिप्पणी निम्न रही

कोर्ट ने कहा कि – "विदेश यात्रा का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 में संरक्षित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेनका गांधी केस में यह स्थापित किया गया है कि जब तक कोई स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध न हो, तब तक नागरिक की यात्रा स्वतंत्रता छीनी नहीं जा सकती।" हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को विदेश यात्रा की अनुमति देते हुए न्यायालय ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय का पत्र रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को दो माह की अवधि के लिए हज, उमरा जियारत हेतु विदेश यात्रा की अनुमति दी, निम्नलिखित शर्तों के अधीन:

30 सितंबर 2025 तक भारत लौटकर ट्रायल कोर्ट में पेश होना, यात्रा केवल मक्का-मदीना तक सीमित होगी, वापसी पर पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना, भविष्य में यात्रा के लिए ट्रायल कोर्ट से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा, साथ ही न्यायालय ने न्यायिक चेतावनी और आदेश देते हुए ।

कोर्ट ने सभी अधीनस्थ न्यायालयों को निर्देशित किया कि विदेश यात्रा से संबंधित सभी आवेदनों पर स्पष्ट आदेश जारी करें, ताकि पासपोर्ट प्राधिकरण किसी भ्रम में न रहे। यह आदेश राज्य के सभी न्यायिक अधिकारियों को प्रसारित करने का निर्देश भी दिया गया। एडवोकेट अंसार इंदौरी व अजीत कस्वां ने बताया कि इस फैसले को नागरिक अधिकारों की दृष्टि से अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह न केवल धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत आज़ादी की रक्षा करता है, बल्कि न्यायपालिका की निष्पक्ष और स्पष्ट आदेश देने की आवश्यकता पर भी जोर देता है।

अतिवृष्टि के बाद राहत, परंतु आगामी भारी वर्षा का रेड अलर्ट

-जिला प्रशासन ने की सतर्कता बरतने की अपील

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। पिछले दो दिनों की लगातार मूसलधार वर्षा के बाद जिले में अब जलभराव की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी की गति तेज हुई है, जिससे अधिकांश आबादी क्षेत्रों से पानी उतर चुका है। सूरवाल बांध के डाउनस्ट्रीम एवं बौंली उपखंड के कुछ गांवों को छोड़कर शेष जिले में हालात सामान्य हो गए हैं। चंबल नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान 197 मीटर से घटकर अब 194 मीटर पर आ गया है, जो एक राहतकारी संकेत है। हालांकि, मौसम विभाग द्वारा पूर्वी राजस्थान के विभिन्न जिलों के लिए आगामी 24 से 48 घंटों हेतु अति भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते जिले में फिर से जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई है। जिला कलक्टर काना राम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा नदियों, नालों, रपटों व बहाव वाली पुलियाओं को पार करने से पूर्णतः बचें। बारिश के दौरान बिजली के खम्भों, ट्रांसफार्मर के पास से नहीं गुजरे, उनसे दूरी बनाये रखे। जलमग्न इलाकों के नागरिकों को सुझाव दिया गया है कि वे स्थानीय पटवारी, गिरदावर शहरी क्षेत्र में नगर परिषद अथवा क्षेत्र प्रभारी के संपर्क में रहें तथा बच्चों को किसी भी स्थिति में जल संरचनाओं या जलराशियों के समीप न जाने दें। प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, संयम एवं सतर्कता के साथ व्यवहार करें और किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना से बचते हुए प्रशासन से लगातार संवाद बनाए रखें। आपदा प्रबंधन की तैयारियों के तहत एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सिविल डिफेन्स की टीमें जिले में मुस्तैद हैं। बीते 24 घंटों में इन टीमों द्वारा जिलेभर में 150 से अधिक लोगों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया, वहीं आज भी बौंली उपखंड के बांसड़ा, रघुवंटी लगभग 50 से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। किसी भी आपात स्थिति में आमजन जिला नियंत्रण कक्ष के टेलीफोन नंबर 07462-220602 एवं 07462-220201, टोल फ्री नंबर 1077 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। विशेष रूप से बनास एवं मोरेल नदियों के किनारे बसे गांवों में सतर्कता बरती जाए। उन्होंने बताया कि हाड़ौती मार्ग पर स्थित भूरी पहाड़ी व बोदल की पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

साथ ही सवाई माधोपुर-लालसोट मेगा हाईवे पर सूरवाल, अजनोटी तक जलभराव है। अतः इन मार्गों से आवागमन न करें और अन्य वैकल्पिक मार्गो से सावधानीपूर्वक यात्रा करें। लालसोट व गंगापुर सिटी जाने हेतु कुस्तला से लालसोट तक एक्सप्रेस-वे का प्रयोग करें। अधीक्षण अभियंता हरि सिंह मीना ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया पुलियाओं अस्थाई मरम्मत हेतु अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. एनएचआई शाखा जयपुर वेद प्रकाश 8209315443, सहायक अभियंता, सा.नि.वि. उपखण्ड खण्डार सोनु मीना 7239894494, सहायक अभियंता, उपखण्ड भाडौती बहादुर सिंह गुर्जर 7850822639, सहायक अभियंता उपखण्ड चौथ का बरवाडा जितेन्द्र कुमार मीना 8769154715 से सम्पर्क किया जा सकता है।

चौमूं में डॉक्टर को साइबर ठगों ने बनाया निशाना

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। मोरीजा रोड स्थित अस्पताल में कार्यरत डॉ. प्रवीण शर्मा को वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर एक घंटे तक मानसिक रूप से परेशान किया गया। साइबर ठगों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर डॉक्टर से पूछताछ की और धमकाया। हालात बिगड़ते देख डॉक्टर की पत्नी ने समझदारी दिखाई और तुरंत पुलिस को सूचना दी। SHO प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे और समय रहते मामला संभाल लिया। चौमूं पुलिस ने लोगों से अपील की है - ऐसे मामलों में डरें नहीं, तुरंत पुलिस को सूचित करें।

नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता का किया उद्घाटन खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नगरपरिषद के पुर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने गान्धी नगर में गांधी ग्रुप की ओर से आयोजित रात्री कालिन क्रिकेट प्रतियागिता का शुभारम्भ करते हुए कहा की खिलाडियों को खेल खेल की भावना से खेलना चाहिए। इससे आपस में मेल मिलाप को बढावा मिलता है व एक दुसरे से दोस्ती होती है। महनसरिया ने गांधी ग्रुप के आयजको को इस नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता को आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया। आयोजक सलिम नेता ने बताया की यह प्रतियोगिता एक सप्ताह चलेगी जिसमें जिले की 28 टिमे भाग ले रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोविन्द महनसरिया, इदरीस खान मलवाण, सलिम नेता, जाकिर डि के एवं बबलु पार्षद रहे। अकरम, समिर खालिद, आवेश, वाहिद, साकिर, आदिल, वाजिद, अरबाज, अवेश आदी ने अतिथियों का माल्या अर्पण कर स्वागत किया। संचालन अरबाज़ खान, बबलु वाहिद व अवेश डी के ने संयुक्त रूप से किया।

मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस पर ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान ने बच्चों की सुरक्षा के लिए समन्वित कार्रवाई पर दिया जोर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस के अवसर पर ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान की पहल पर सवाई माधोपुर जिले में हुए एक कार्यक्रम में बाल संरक्षण और बाल अधिकारों के क्षेत्र से जुड़े सभी प्रमुख हितधारक एक साथ आए। इस कार्यक्रम में सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन से स्टेशन प्रबंधक लोकेंद्र मीणा मय स्टाफ, रेलवे सुरक्षा बल से IPF मान सिंह मय स्टाफ, राजकीय रेल्वे बल से ओम प्रकाश, मय स्टाफ, मानव तस्करी विरोधी इकाई सैयद अंसार अली मय स्टाफ, और रेल्वे स्टेशन प्रबंधक राम अवतार मीणा गंगापुर सिटी, रेलवे सुरक्षा बल अशोक मीणा गंगापुर सिटी ओर प्रभारी अधिकारी राजकीय रेलवे बल ASI भवानी शंकर गंगापुर सिटी सवाई माधोपुर, चाईल्ड लाइन हनुमान सैनी मय टीम, और ग्रामराज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रतिनिधियों सुमित्रा शर्मा (परियोजना समन्वय),और फील्ड स्टाफ़ ने हिस्सा लिया और एक सुर से स्वीकार किया कि बाल दुर्व्यापार यानी बच्चों की ट्रैफिकिंग से निपटने के लिए सभी एजेंसियों व विभागों को साथ मिलकर कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है ताकि ट्रैफिकिंग गिरोहों में कानून का भय पैदा हो सके। सुमित्रा शर्मा ने बताया कि ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान, देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है और बूंदी में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहा है। जेआरसी बाल श्रम, बच्चों की ट्रैफिकिंग, बाल विवाह और बाल यौन शोषण के शिकार बच्चों की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

अभिषेक सुराणा ने वीडियो मैसेज जारी कर सभी जिलेवासियों से की अंगदान का संकल्प लेने की अपील

-अंगदान का संकल्प समाज सेवा का सर्वोत्तम कार्य

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक सुराणा ने वीडिया संदेश जारी कर समस्त जिलेवासियों से अंगदान का संकल्प लेने की अपील की है। जिला कलक्टर सुराणा ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा अंगदान का संकल्प लेने हेतु डिजीटल माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अंगदान का महत्व बताते हुए कहा कि अंगदान समाज सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है। इससे बढ़कर परोपकार का काम नहीं हो सकता है। हमारा एक संकल्प 07 लोगों का जीवन रोशन कर सकता है। इस मुहिम में हमारी भागीदारी मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि किसी के देहांत के बाद उसके शरीर के विभिन्न अंग अलग—अलग 07 लोगों के काम आ सकते हैं। इस प्रकार से एक संकल्प से 07 लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने समस्त जिलेवासियो से अपील की है कि 01 अगस्त, 2025 को दोपहर 12 से पहले अधिक से अधिक संख्या में अंगदान का संकल्प लें। इस अभियान में सभी

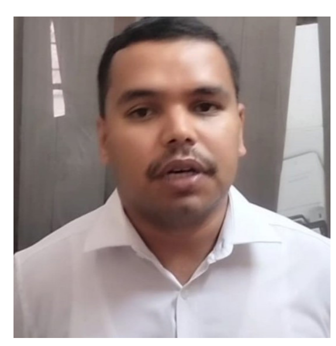

जिलेवासी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें तथा अंगदान के संकल्प से अन्य जरूरतमंदों का जीवन रोशन करें। आमजन रजिस्ट्रेशन करवाये।

पूर्व मुख्यमंत्री सुखाडिया की जंयती पर पौधारोपण किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अमन कालोनी में आल इंडिया कांग्रेस मिडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा के जन्मदिन व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री, स्व. मोहनलाल सुखाड़िया की जयंती पर, कांग्रेस जनों ने पौधा लगाकर मनाया जन्मदिन। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय दबंग प्रवक्ता पवन खेड़ा देश के जलवंत मुद्दों पर बेबाकी से अपने विचार रखें वाले नेता हैं। चौहान ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिया राजस्थान प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने वाले ओर आधुनिक राजस्थान की नींव रखने में आपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जनकल्याण और विकास के प्रति आपकी प्रतिबद्धता हमें सदैव मार्गदर्शन देती रहेगी। इस अवसर पर कोम काजियां सदर संजय भाटी, पार्षद शाहरुख खान,पार्षद बाबू मंत्री, पार्षद इस्माइल भाटी, पार्षद शाहिद खान, पार्षद नुमान सैय्यद, पार्षद तारीख नागौरी आबिद खान जाबासरिया, आरिफ़ रिसालदार, रफ़ीक चौहान (बब्लू) बजरंग मेघालय सोयल भाटी, भंवरलाल सैन, मुकेश शर्मा, आदि उपस्थित थे।

रकमा संगठन के संरक्षक और तहसील अध्यक्ष नियुक्त

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के चूरू जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी चुरू के निर्देशानुसार चूरू जिला रकमा की कार्यकारिणी में मैं कय्यूम खान लेक्चरर और रकमा संगठन का जिला महासचिव पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी चुरू असगर खान जोइया को संरक्षक, अब्दुल मन्नान मजहर प्रबोधक चुरू शहर अध्यक्ष, सलेमुद्दीन खान अध्यापक चुरू देहात अध्यक्ष,फरमान खान लैब टेक्नीशियन तारानगर अध्यक्ष, नियाज़ मोहम्मद अध्यापक सरदार शहर अध्यक्ष,अनवर खान अध्यापक रतनगढ़ अध्यक्ष, मोहम्मद जावेद अध्यापक सुजानगढ़ अध्यक्ष,लतीफ खिंची सादुलपुर अध्यक्ष पद पर एतद द्वारा मनोनीत करता हूं। सभी तहसील अध्यक्ष को निर्देश दिए जाते है कि आगामी पंद्रह दिवस में अपनी तहसील की कार्यकारिणी बनाकर जिला अध्यक्ष से अनुमोदित करवा लें। राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि जल्द ही तहसील अध्यक्ष और जिला कार्यकारिणी की मिटिग रखकर जिला स्तरीय प्रोग्राम मातु कमला गोयनका टाऊन हॉल चुरू में करने का विचार है जिसमें होनहार छात्र व छात्राओं को सम्मानित करने, अल्पसंख्यक वर्ग में पिछले सालों में सर्विस लगने वाले, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल में भागीदारी निभाने वाले, अल्पसंख्यक पत्रकार, अल्पसंख्यक भामाशाह सम्मान, सीए, आई सी डब्ल्यू ए, सी एस, आदि पर चर्चा कर सम्मानित किए जाने वालो का क्राइटेरिया तय किया जाएगा। अल्पसंख्यकों के अधिकार और राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) संगठन से जुड़ने के लिए भी मोहम्मद नियाज़ खान और डॉ. कादिर हुसैन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रकमा से सम्पर्क कर सकते हैं।

आपदा प्रभावितों के लिए जिला प्रशासन बना सहारा, भोजन, आवास व बिजली आपूर्ति की व्यवस्थाएं सुचारू

-नगर परिषद सभापति एवं आयुक्त ने किया प्रभावित स्थलों का दौरा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में बुधवार को हुई मूसलधार वर्षा के कारण उत्पन्न आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन राहत और पुनर्वास कार्यों को पूरी तत्परता से अंजाम दे रहा है। नगर परिषद सभापति जयप्रकाश सामरिया एवं आयुक्त नरसी मीणा के नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। जिला कलक्टर काना राम के निर्देशानुसार नगर परिषद द्वारा अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए टैंकर, स्वच्छता कार्यों हेतु जेसीबी मशीन, तथा प्राथमिक उपचार सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। सभापति एवं आयुक्त ने वार्ड 38 रैगर मोहल्ला सहित अन्य प्रभावित स्थानों का निरीक्षण कर जनसुनवाई भी की। बिजली आपूर्ति बहाली का कार्य भी तेजी से जारी :- अधीक्षण अभियंता बीएल मीना ने बताया कि लटिया नाले के आसपास जलभराव से प्रभावित कई विद्त पोल व ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे जन सुरक्षा के मद्देनजर विद्त आपूर्ति को अस्थाई रूप से बंद किया गया था। अब तक अंसारी मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, रैगर मोहल्ला,

कागज़ी मोहल्ला, सौरती बाजार, कीर मोहल्ला, कुम्हार मोहल्ला, हम्माल मोहल्ला एवं गलता रोड क्षेत्रों की विद्त आपूर्ति सुचारू कर दी गई है। हालांकि लटिया नाले के समीप स्थित कुछ कनेक्शन अभी जलभराव के कारण बंद हैं। जल स्तर कम होते ही तीन पोल लगाकर इन कनेक्शनों की आपूर्ति भी बहाल कर दी जाएगी। जिला कलक्टर काना राम के निर्देशानुसार शहर के खंडार बस स्टैंड, गौरव पथ एवं नगर परिषद परिसर स्थित आश्रय स्थलों पर अस्थायी आवास की निःशुल्क व्यवस्था की गई है, वहीं अन्नपूर्णा रसोई केंद्रों सुनार कटला, टीबी अस्पताल, नगर परिषद परिसर, ईएसआई डिस्पेंसरी एवं राजकीय चिकित्सालय से प्रभावित जनों को तीन दिन तक निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। एक हजार भोजन पैकेट अंसारी मोहल्ला, कोली मोहल्ला, कुम्हार मोहल्ला, हम्मीर ब्रिज क्षेत्र व हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में वितरित किए जा चुके हैं। जिला प्रशासन आमजन से अपील करता है कि प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी राहत केंद्र या नियंत्रण कक्ष 07462-220201/220206 पर संपर्क करें। प्रशासन हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

बाढ़ पीढ़ित लोगों के साथ खड़ी नज़र आई - भाजपा नेत्री मेहनाज पटेल

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेत्री मेहनाज पटेल ने बताया कि केबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बाढ़ग्रस्त, प्रभावित लोगों के सामने उत्पन्न समस्याओं के लिए सवाई माधोपुर प्रशासन से जल्द से जल्द राहत पहुंचाने के लिए आदेशित किया है व इसी क्रम में सवाई माधोपुर जिला प्रशासन भी बहुत ही अच्छा कार्य कर रहा है। पटेल ने भी लोगों के बुलाने पर जलभराव से हुए नुकसान व उत्पन्न समस्याओं को जाना प्रशासन को अवगत कराया उनके निराकरण का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा लोगों की रसोई के लिए मेरे से जो बन सका राहत सामग्री

आटा तेल सब्जियां पहुंचाई। ओर आम जन से अपील भी कि आप से भी जो बन पड़े लोगों की मदद के लिए आगे आइए इस नेक काम में बढ़ चढ़ कर सहयोग करे। मिर्जा मोहल्ला नौजवान कमेटी द्वारा कमेटी कार्य की सराहना भी की बहुत शानदार काम कर रहे है।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण ने

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके दिल्ली आवास पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला और समाज सेवी के के लड्ढ़ा के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि इस दौरान चूरू में ट्रैफिक जाम की स्थिति से निजात पाने के लिए पूर्व में मंत्री नितिन गडकरी से सालासर और गोगामेड़ी प्रवास के दौरान द्वारा किए गए अनुरोधों और घोषणाओं के संबंध में अवगत कराया और उन्हें पत्र सौंपकर एनएच 52 (रिंग रोड) से तारानगर रोड, भालेरी रोड, सरदारशहर रोड, रतनगढ़ रोड और देपालसर रोड होते हुए एनएच 52-चूरू तक करीब 750 करोड़ की लागत से बनने वाली 33 किलोमीटर प्रस्तावित रिंग रोड मार्ग को बनाए जाने पर विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसके निर्माण हेतु मौके पर ही प्रशासनिक स्वीकृत दे दी है जबकि इसी क्रम में आगामी माह में इसकी वित्तीय स्वीकृति जारी करने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने उनका आभार जताते हुए कहा कि इस संबंध में रिंग रोड के निर्माण हेतु मंत्री गडकरी ने आश्वत कर कहा कि जल्द ही रिंग रोड के निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। 33 किलोमीटर चूरू के चारों ओर बनने वाले इस रिंग रोड के जरिए आने वाले समय में इससे न केवल लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी बल्कि उनका समय और ऊर्जा भी बचेगी और क्षेत्रवासी अपने गंतव्य तक आसानी से और जल्दी पहुंच पाएंगे। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि इस स्वीकृति से यहां के लोगों को फायदा मिलेगा और आए दिन होने वाले ट्रैफिक जाम से बचाव होगा ।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में सभी समस्याओं का समाधान तीव्र गति से होता है।

जिला कलक्टर द्वारा विद्यालयों में अवकाश घोषित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में अतिवृष्टि को देखते हुए जिले में संचालित कक्षा 1 से 12 तक के समस्त राजकीय/ गैर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र—छात्राओं को भारी वर्षा के प्रभाव से बचाव एवं विद्यार्थियों के जीवन को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालयों में शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025 को एक दिवसीय अवकाश घोषित किया है।

जारी आदेशानुसार जिला आपदा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला कलक्टर ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अध्याय 04 की धारा 30 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चूरू जिले में कक्षा 01 से 12 तक के समस्त राजकीय/गैर राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों का 01 अगस्त, 2025 (एक दिवस) को अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश केवल कक्षा 01 से 12 तक के छात्र—छात्राओं के लिये ही लागू रहेगा। शेष अधिकारी/ कार्मिक यथावत कार्य करेंगे।

जिले में समस्त संस्था प्रधानों को आदेशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।यदि कोई संस्था प्रधान घोषित अवकाश अवधि में कक्षा संचालन करता हुआ पाया जाता है, तो आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

पाली जिले में लग रहे स्मार्ट मीटर-उपभोक्ता भी रहे स्मार्ट

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले के सभी सरकारी कार्यालयों व सरकारी आवासों पर स्मार्ट मीटर प्राथमिकता पर लगाने की प्रक्रिया चल रही हैं। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को मानवीय भूल से होने वाली गलत रीडिंग एवं बंद परिसर में लोक से जारी होने वाले बिल से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत। उपभोक्ता मोबाइल पर प्रति दिवस की विद्त उपभोग की जानकारी प्राप्त कर सकेगें। इससे वे अपने विद्त उपभोग पर भी नियंत्रण कर पायेगें। जोधपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता अजय माथुर ने बताया कि पाली जिले के 12 उपखण्डों में स्मार्ट मीटर लगने का कार्य जारी है। स्मार्ट मीटर पर जांच के लिए चौक मीटर लगाकर भी जांच की जा रही है। जिसमें स्मार्ट मीटर का संचालन सही पाया गया हैं। जिससे उपभोक्ताओं न स्मार्ट मीटर पर सही बिजली खपत दर्ज करने का भरोसा बढ़ता जा रहा हैं। जिसके फलस्वरूप गत एक माह में 5 हजार 987 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि यदि स्मार्ट मीटर अपनाते हैं तो यह सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं होगा, बल्कि ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम स्थापित होगा। स्मार्ट मीटर से ऊर्जा प्रबंधन में पारदर्शिता भी बढ़ेगी, साथ ही उपभोक्ताओं को होने वाली अनावश्यक परेशानी से छुटकारा मिलेगा, एवं उपभोक्ता के हितों के अनुकूल रहेगा।

महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक व उत्पीड़न रहित कार्य वातावरण प्रदान करना प्रत्येक संस्थान की ज़िम्मेदारी

-पॉश अधिनियम पर आधारित बुकलेट व पोस्टर का किया विमोचन

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन, महिला अधिकारिता एवं एक्शनएड एसोसिएशन द्वारा चलाए जा रहे महिला श्रमिक उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर द्वारा तालेड़ा उपखंड अधिकारी मनशवी नरेश, मुख्य ज़िला शिक्षा अधिकारी, ज़िला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सहायक निदेशक महिला अधिकारिता भेरू प्रकाश नागर की उपस्थिति में पॉश अधिनियम पर आधारित जानकारीपूर्ण बुकलेट का विमोचन किया गया। इस अवसर पर तोमर ने कहा कि "महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक व उत्पीड़न रहित कार्य वातावरण प्रदान करना प्रत्येक संस्थान की ज़िम्मेदारी है। इस प्रकार के अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं।" सहायक निदेशक महिला अधिकारिता भेरू प्रकाश नागर ने बताया कि महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु ज़िला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग एवं एक्शनएड के संयुक्त तत्वावधान में नब्बे दिवसीय जागरूकता अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह अभियान "पॉश अधिनियम – कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर केंद्रित है। जिसका उद्देश्य महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है, पॉश अधिनियम में यौन उत्पीड़न को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया, जिसमें अवांछित शारीरिक संपर्क, यौन अनुग्रह की मांग, अश्लील साहित्य दिखाना और यौन प्रकृति का कोई भी अवांछित व्यवहार शामिल है। पोक्ट अधिनियम में नियोक्ताओं को 10 या अधिक कर्मचारियों वाले कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) स्थापित करने और एक सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक्शन एड जिला समन्वयक ज़हीर आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को कई बार विशेष चुनौतियों, असुरक्षाओ और कार्यस्थल पर असुरक्षित स्थितियों का सामना करना पड़ता है। अभियान अंतर्गत ऐसी महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा देने के लियें बने पॉश कानून के बारे में जानकारी दी जा रही हैं। जिससे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलायें सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करें। यह एक नब्बे दिवसीय अभियान है जो एक जुलाई से प्रारंभ हुआ और तीस सितंबर तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा। इसमें कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समिति (ICC) की भूमिका, शिकायत की प्रक्रिया, और पीड़िता के अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। पर्यवेक्षक प्रमिला ने अभियान से जुड़ी बुकलेट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें अधिनियम की प्रमुख धाराओं, प्रक्रिया, तथा आम भ्रांतियों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है ताकि यह आमजन के लिए सुलभ और समझने योग्य हो।

मेरा युवा भारत केन्द्र द्वारा फ्लैगशिप योजनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। मेरा युवा भारत केन्द्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में शहर के नैनवां रोड़ पर स्थित एक निजी रिसोर्ट में केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विषय-विशेषज्ञों व वक्ताओं के द्वारा भारत व राजस्थान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारीयां दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक के. के. सोमाणी रहे। अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी सचिन पाटोदिया ने की। बतौर विशिष्ट वक्ता उप चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कमलेश शर्मा, कृषि अधिकारी सीताराम मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक अर्पित जैन शामिल रहें। माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक सोमाणी ने केंद्र द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की इन योजनाओं से किसानों को आर्थिक संबल मिलता है व उन्हें कृषि के क्षेत्र में अधिक नवाचार करने की प्रेरणा मिलती हैं। विषय विशेषज्ञ उप चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व केन्द्र सरकार स्वास्थ्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताते हुए आभा आई डी के लाभों से अवगत कराया। कृषि अधिकारी ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि अवसंरचना वित्तपोषण सुविधा पर बात करते हुए उद्यानिकी व बागवानी पर अनुदान आधारित योजनाओं की जानकारी साझा की, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक जैन ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के विषय में बताते हुए समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने हेतु संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे जिला युवा अधिकारी पाटोदिया ने केंद्र द्वारा वर्षपर्यंत चलाई जाने वाली युवा विकास गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा योजनाओं के संदर्भ में तैयार की गई बुकलेट भी युवाओं को वितरित की गई।कार्यक्रम में युवा प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी।

सावन माह में माताओं-बहनों के साथ सतरंगी लहरिया महोत्सव का आयोजन

-ऑपरेशन सिन्दूर देश की बहनों के रक्षा सूत्र की ताकत का परिचय- देवनानी

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को सावन मास में मातृशक्ति द्वारा आयोजित सतरंगी लहरिया महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने मातृशक्ति का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा उनके द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। महोत्सव में सावन के पवित्र माह की झलक चारो और दिखाई दी। समस्त महिलाएं लहरिया परिधान पहने आई थी। इनके साथ-साथ उपस्थित बालिकाएं भी लहरिया पोषाक में आई। सतरंगी लहरिया महोत्सव ने परम्परागत पहनावे के साथ उत्सव मनाने का एक अवसर प्रदान किया। देवनानी ने कहा कि देश की महिलाएं आज पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रही है। केन्द्र और राज्य सरकार हर कदम पर मातृशक्ति के साथ है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारतीय नारी संयम, शौर्य, साहस और बलिदान का प्रतीक है। ऑपरेशन सिन्दर की सफलता देश की बहनों की ओर से अपने जांबाज सैनिकों की कलाई पर बांधे गए रक्षा सूत्र की परिणीति है। भारतीय संस्कृति में सावन को त्यौहारों का मास कहा जाता है। इसमें सतरंगी लहरिया महोत्सव का आयोजन त्यौहरों की खुशी को और बढ़ाएगा। सावन मास में राखी भी आती है। रक्षा बन्धन बहनों का ही त्यौहार है। आगामी रक्षा बन्धन में भी बहनें अपने भाईयों के हाथों में रक्षा सूत्र बांधेगी। महोत्सव में केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से महिलाओं के स्वावलंम्बन और स्वाभिमान से जुड़ी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा बन्धन के पवित्र त्यौहार को अपनत्व से जोड़ने के लिए स्वयं के हाथ से बनी रखी बांधने का आह्वान किया है। इससे रक्षा सूत्र के साथ अपनी भावनाएं भी जुड़ जाती है। इससे भाईयों को कार्य करने की शक्ति मिली है। इस प्रकार भाई और बहिन साथ मिलकर भारत को गौरवान्वित करने की दिशा में कार्य करेंगे। साथ ही इस अभियान में अजमेर भी पीछे नहीं है। सैनिकों के साहस को सलाम करते हुए यहां की बहने भी निरंतर सैनिक भाईयों की कलाई पर सलामती की प्रार्थना और शौर्य की प्रेरणा के रूप में रक्षा सूत्र बांधती आई है और बाधंती रहेगी। उन्होंने कहा कि देश मौजूदा वक्त में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही आत्मरक्षक भी बन रहा है। इसमें सबसे महती भूमिका हमारी बहनें निभा रही है। महिला मोर्चा के ओर से आयोजित महोत्सव को नारी शक्ति और नारी समर्पण के भाव के साथ जोड़ते हुए कहा कि संसार नारी शक्ति के बिना शून्य है। इसमें बहनों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उत्कृष्ट महिलाओं का सम्मान किया। सतरंगी लहरिया महोत्सव में सावन बाजार का भी आयोजन किया गया। इसका भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अवलोकन किया गया। इसमें सौन्दर्य सामग्री के साथ-साथ लहरिया परिधान, गिफ्ट, हैम्पर, राजपूती वस्त्र, डिजायनर जूतियां, स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ, गुजराती भोजन, हैण्डीक्राफ्ट आईटम, ज्वैलरी आदि थे।

वर्षा जल भराव समस्या निराकरण के लिये नगर विकास न्यास करवा रहा नाला निर्माण

-11.64 करोड़ रूपये की लागत से करवाये जा रहे हैं नाला निर्माण

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। नगर विकास न्यास द्वारा शहर की वर्षा जल भराव समस्या के निस्तारण के लिये मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023-24 के अंतर्गत तीन करोड़ रूपये की लागत से सूरतगढ़ रोड़ पर आरसीसी नाला निर्माण व 6 करोड़ रूपये की लागत से नाला निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। नगर विकास न्यास सचिव अशोक कुमार असीजा ने बताया कि शहर की वर्षा जल भराव समस्या के निस्तारण के लिये मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2023-24 के अंतर्गत तीन करोड़ रूपये की लागत से सूरतगढ़ रोड़ पर आरसीसी नाला निर्माण व 6 करोड़ रूपये की लागत से नाला निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। इसी तरह 49 लाख रूपये की लागत से राधा स्वामी डेरा से एसटीपी तक मुख्य नाले का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने बताया कि न्यास द्वारा सूरतगढ़ रोड़ पर मुख्य नाले से गौतम बुद्ध नगर के गड्ढे में प्रवाहित होने वाले वर्षा जल को सीधे एसटीपी तक पहुंचाने के लिये 5 ई स्थित स्कूल से किसान चौक होते हुए राधा स्वामी डेरा तक दो करोड़ 15 लाख रूपये की राशि से नाला निर्माण कार्य की निविदा जारी की गई है। उन्होंने बताया कि वर्षा जल संग्रहण हेतु न्यास द्वारा चक 1 एफ छोटी के मुरब्बा नम्बर 18 व 19 में 47 बीघा भूमि अवाप्त कर जल संग्रहण डिग्गियों का निर्माण करवाया जा रहा है। इनमें वर्षा ऋतु के दौरान वर्षा जल का संग्रहण किया जायेगा। वर्षा जल निकासी की समस्या के समुचित निराकरण हेतु पदमपुर बाईपास से कोड़िया वाली पुली तक पाइपलाइन डालने हेतु आरयूआईडीपी श्रीगंगानगर से 5 करोड़ रूपये की राशि हस्तांतरित कर दी गई है, जिससे आगामी वर्षा ऋतु में जिलावासियों को जल भराव से होने वाली समस्या से निजात मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि चक 1 एफ छोटी में एसटीपी के पीछे न्यास द्वारा लगभग 5 हजार पौधे लगाकर सघन वन स्थापित किया जा रहा है। सूरतगढ़ रोड़, डिवाइडर, सड़क के दोनों ओर आरसीसी सूरतगढ़ रोड़ डिवाइडर, रोड के दोनों किनारों पर आरसीसी ट्री गार्ड मय कलर लगाकर सजावटी पौधे लगाये गये हैं। इस मार्ग के साथ सिविल लाईन मार्ग पर भी पौधारोपण किया गया है।

सागवाड़ा विधानसभा के 267 बीएलओ एवं 27 सुपरवाइजर का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण आयोजित

मतदाता सूची सटीक, पारदर्शी एवं विश्वनीय बनाएं -अंकित कुमार सिंह

डूंगरपुर, 30 जुलाई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची सटीक पारदर्शी एवं विश्वनीय बनाए जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह। जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह ने यह जानकारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को आयोजित वीर बाला कालीबाई राजकीय कन्या महाविद्यालय, डूंगरपुर में विधानसभा सागवाड़ा के अंतर्गत नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण शिविर में दी । इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को संबोधित करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विधानसभा में नियुक्त बीएलओ एवं सुपरवाइजर द्वारा मतदाता नामावली को पूरी तरह से जांचने की प्रक्रिया है जिसमें सभी पात्र मतदाताओं के नाम को सूची में शामिल करने और अपात्र नाम को हटाने का कार्य किया जाता है, ताकि मतदाता सूची में सटीकता पारदर्शिता एवं विश्वनीयता बनी रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदाताओं को श्रेणी के अनुसार दस्तावेज संलग्न करने करें किसी भी प्रकार की असमंज की स्थिति न रहे। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद्र धाकड़ ने बताया कि संक्षिप्त पुनरीक्षण पुरानी नामावली के शोध एवं अद्यतन करने की प्रक्रिया है। तथा उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की नियमावली को ध्यान में रखकर कार्य करें। उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2025 को विधानसभा डूंगरपुर के नियुक्त 247 बीएलओ 25 सुपरवाइजर को वीर बाला कालीबाई राजकीय कन्या महाविद्यालय, डूंगरपुर में प्रशिक्षण दिया जाएगा । आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण में विधानसभा सागवाड़ा के नियुक्त 267 बीएलओ एवं 27 सुपरवाइजर को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

सुपरवाइजर्स और बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

-उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। बीकानेर पश्चिम, कोलायत, बीकानेर पूर्व एवं लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर्स और बूथ लेवल अधिकारियों का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को राजकीय डूंगर कॉलेज स्थित प्रताप सभागार में आयोजित हुआ। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामावतार कुमावत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम की गंभीरता समझते हुए पूर्ण जिम्मेदारी से निर्वाचन संबंधित कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रश्नों के जवाब लेकर उनके प्रति संतुष्टि व्यक्त की।उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। इस दौरान राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एस एल राठी, डॉ. वाई बी माथुर, डॉ. विपिन सैनी, डॉ. शमींद्र सक्सेना, डॉ. राजाराम, डॉ. सुरेश कुमार वर्मा, रविंद्र, डॉ. अरुण पुरोहित, डॉ. चक्रवर्ती श्रीमाली, डॉ विशाल गौड़, मुकेश आमेरिया, जितेंद्र वर्मा एवं शिवकुमार द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया। प्रशिक्षण में बूथ लेवल अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को गहन गणना प्रपत्र भरने का तरीका एवं संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में बताया गया। मतदाताओं से प्राप्त कर फॉर्म का सत्यापन करवाने के लिए जानकारी दी गई। बीएलओ ऐप के जरिए प्रपत्र को अपलोड करने के बारे में भी बताया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2002 की मतदाता सूची को डाउनलोड करने की प्रक्रिया साझा की गई।

वित्तीय समावेशन एवं संतृप्ति अभियान के अंतर्गत इडरा ग्राम पंचायत में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विशेष कैंप का आयोजन

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक चल रहे वित्तीय समावेशन एवं संतृप्ति अभियान के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा, मंगलवाड़ शाखा द्वारा डूंगला ब्लॉक की इडरा ग्राम पंचायत में बुधवार को एक दिवसीय संतृप्ति कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना तथा उन्हें विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। इस दौरान विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY) के तहत निःशुल्क बैंक खाता खोलना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) के अंतर्गत बीमा कवर उपलब्ध कराना, अटल पेंशन योजना (APY) के तहत पेंशन सुरक्षा प्रदान करना, निष्क्रिय खातों का पुनः केवाईसी (Re-KYC) द्वारा सक्रिय करना एवं खातों में नामांकन (Nomination) की प्रक्रिया को सरल एवं पूर्ण करना आदि सेवाए उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग (DFS), भारत सरकार से भारती गौर, लीड जिला प्रबंधक (LDM) परेश टांक, CFL प्रतिनिधि किशनलाल गामित, कृषि पर्यवेक्षक श्रीलालजी मिनारिया, ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्रप्रकाश शर्मा, एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, मंगलवाड़ शाखा के शाखा प्रबंधक श्रीचंद प्रजापति की उपस्थिति रहे। कैंप में उपस्थित विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को PMJDY, PMJJBY, PMSBY, APY, Re-KYC तथा नामांकन जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के लाभों की जानकारी सहज एवं सरल भाषा में प्रदान की गई। ग्रामीणजनों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर योजनाओं का लाभ उठाया।

अधिकारियों ने जर्जर भवनों का किया निरीक्षण

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में जिले भर में विभिन्न राजकीय कार्यालय के भवनों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, मां बाड़ी केंद्रों, चिकित्सा केंद्रों आदि के सघन निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देशों के बाद जिले के अधिकारी अपने अधीनस्थ आने वाले कार्यालय भवनों का सघन निरीक्षण कर रहें हैं। इसी क्रम में तहसीलदार आसपुर एवं समसा सीबीईओ कार्यालय आसपुर कनिष्ठ अभियंता द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नई बस्ती वाडाकुंडली तथा नाना भाई खांट राजकीय जनजाति बालक आश्रम छात्रावास रामगढ़ के भवन तथा कक्षा कक्षों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवनों की स्थिति, कक्षा कक्ष, छत आदि का निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट तैयार की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी जानकारी ली।

कांग्रेस कार्यालय में स्वराज सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया

मोहम्मद यासीन

जयपुर/पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में स्वराज सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पंचायती राज संगठन के विस्तार, जन आंदोलन में सक्रिय योगदान और उत्कृष्ठ कार्य के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पंवार, प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय महासचिव नारायण सिंह जी राठौड़, प्रदेश महामंत्री ओमकार जी वर्मा, विकास बुडानिया, श्रीमती मंजू चौधरी, सदाराम विश्नोई सहित प्रदेश से आए जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट एवं सुपरवाइज़र भर्ती कैंप का आयोजन

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला रोजगार कार्यालय, चित्तौड़गढ़ के सहयोग से जीडीएक्स सिक्योरिटी ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा अधिनियम 2005 के अंतर्गत 200 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलट एवं 30 सुपरवाइज़र पदों पर भर्ती के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती अधिकारी ने बताया कि 01 अगस्त को पंचायत समिति, बेगूं में, 04 अगस्त को पंचायत समिति, गंगरार में, 05 अगस्त को पंचायत समिति, राशमी में, 06 अगस्त को पंचायत समिति, कपासन में, 07 अगस्त को पंचायत समिति, डूंगला में, 08 अगस्त को पंचायत समिति, निम्बाहेड़ा में, 11 अगस्त को पंचायत समिति, बड़ीसादड़ी में, 12 अगस्त को पंचायत समिति, भदेसर में, 13 अगस्त को पंचायत समिति, चित्तौड़गढ़ में तथा 14 अगस्त को पंचायत समिति, भोपालसागर में 11:00 बजे से सायं 3:00 बजे तक भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान/ड्रोन पायलट पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता: 10वीं पास, आयु सीमा: 18 से 45 वर्ष, न्यूनतम ऊंचाई: 168 सेमी तथा वजन: 52 से 96 किलोग्राम होना चाहिए। इसी प्रकार सुपरवाइज़र पद हेतु शैक्षणिक योग्यता स्नातक डिग्री + कंप्यूटर ज्ञान, आयु सीमा: 22 से 40 वर्ष, ऊंचाई: 170 सेमी तथा वजन: 55 से 80 किलोग्राम होना चाहिए।

आवेदन प्रक्रिया

इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को संबंधित पंचायत समिति सभागार में स्वयं उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी को 10वीं की मार्कशीट की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाने होंगे। चयनित अभ्यर्थी को ₹250 रजिस्ट्रेशन शुल्क के साथ फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। यह भर्ती कैंप सभी जिलों के युवाओं के लिए खुला है। इच्छुक उम्मीदवार स्वयं उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं।

पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र का हो रहा बहुआयामी विकास

-सुरेश सिंह रावत के प्रयासों से रीको क्षेत्रों को मिल रहा नवसंजीवनी रूप

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की औद्योगिक प्रगति और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देने की नीति के तहत पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत के निर्देशो से रीको एरिया खोड़ा में आरसीसी नाली एवं वर्षा जल संग्रहण कार्य हेतु 632.16 रूपए लाख की राशि स्वीकृत कर दी गई है। यह कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। इससे औद्योगिक क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था और वर्षाजल प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप मिलेगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना के साथ औद्योगिक क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक और मील का पत्थर जुड़ गया है। यह योजना ना केवल मानसून में होने वाले जलभराव की समस्या से निजात दिलाएगी, बल्कि रीको क्षेत्र में सुगम परिवहन, स्वच्छता और सौंदर्यकरण को भी बढ़ावा देगी। हाल ही में मंत्री रावत के निर्देशो से निम्न विकास कार्य पूर्ण करवाए गए हैं। इनमें रीको एरिया रूपनगढ में 149.97 लाख की लागत से डामर सड़क की रिकारपेटिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे उद्योगपतियों और आमजन को बेहतर यातायात सुविधा मिली है। रीको एरिया खोड़ा में 146.01 लाख की लागत से सड़क चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य भी सफलता पूर्वक संपन्न करवाया गया, जिससे क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही में अब कोई बाधा नहीं आती। इन समग्र प्रयासों ने रीको क्षेत्रों को एक उन्नत औद्योगिक पहचान दिलाने का कार्य किया है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की प्राथमिकता सदैव यह रही है कि पुष्कर विधानसभा क्षेत्र न केवल सांस्तिक और धार्मिक दृष्टि से समृद्ध हो, बल्कि औद्योगिक विकास में भी अग्रणी बनकर उभरे।

कृति खरबंदा का भावुक खुलासा

शादी में ज़रूर आना मेरे लिए पैसे नहीं, बल्कि जादू का अनुभव था

अभिनेत्री कृति खरबंदा, जो अपनी हर भूमिका को सशक्त बनाने के लिए जानी जाती हैं, ने हाल ही में अपने करियर की एक फिल्म शादी में ज़रूर आना को लेकर एक बेहद भावुक खुलासा किया है। राणा नायडू सीज़न 2 में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाली कृति ने बताया कि यह फिल्म आज भी उनके दिल के सबसे करीब क्यों है - इसका कारण न तो शोहरत थी, न ही मिली हुई फीस, बल्कि उस टीमवर्क और जुनून का जादू था जो इस फिल्म का हिस्सा था। एक दिल छू लेने वाली बातचीत में कृति ने साझा किया, मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करना पसंद है जो टीमवर्क में विश्वास रखते हैं। मुझे पहली बार ऐसा अनुभव शादी में ज़रूर आना के दौरान मिला था। जब उनसे पूछा गया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा क्यों है, तो उन्होंने बताया, इसका कारण ये है कि इस फिल्म में मैंने सबसे ज्यादा मेहनत की और मुझे पूरे करियर में सबसे कम फीस मिली। लेकिन मैंने कभी पैसों को लेकर बहस नहीं की, क्योंकि मैं ये फिल्म दिल से करना चाहती थी। कृति ने आगे बताया कि कैसे महज एक सीन के ऑडिशन ने उन्हें इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया था। उन्होंने कहा, जब मैंने शादी में ज़रूर आना का ऑडिशन दिया, तब मैंने सिर्फ एक सीन परफॉर्म किया, और वही एक सीन मेरे दिल से जुड़ गया। ये फिल्म टीम वर्क का जादू थी, और हर एक इंसान इसका क्रेडिट डिज़र्व करता है। मैं आज भी उस एनर्जी को सेट पर फिर से महसूस करने का इंतज़ार कर रही हूं। कृति का यह बयान इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा जुनून और कलाकारिता अक्सर आर्थिक लाभ से कहीं बढ़कर होती है। एक कलाकार के लिए असली संतुष्टि तब मिलती है जब वह एक ऐसी टीम का हिस्सा बनता है जो उस कहानी पर पूरी तरह विश्वास रखती है, जिसे वो दुनिया के सामने ला रही होती है। वर्क फ्रंट पर, कृति खरबंदा को हाल ही में लोकप्रिय वेब सीरीज़ राणा नायडू सीजन 2 में आलिया ओबेरॉय के किरदार में देखा गया था, जहाँ उनकी अदाकारी ने काफी प्रशंसा बटोरी।

कान्स हमारी फिल्मों की क्वालिटी का पैमाना नहीं है...

रॉक ऑन, मिडनाइट चिल्ड्रन, फिराक जैसी फिल्में हों या अ सूटेबल बॉय और बॉम्बे बेगम्स जैसी वेब सीरीज, कलाकार शहाना गोस्वामी ने हमेशा अपनी अलग छाप छोड़ी है। बीते साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म संतोष से धमाल मचाने वाली शहाना इन दिनों इंडियन ऑस्ट्रेलियन रोमांस ड्रामा फोर इयर्स लेटर को लेकर चर्चा में हैं। आप पर्दे पर ज्यादातर सशक्त और कॉम्प्लेक्स किरदारों ही नजर आती है। कभी आपका मन नहीं किया कि वो स्विट्जरलैंड में शिफॉन की साड़ी लहराने वाले रोल भी करूं?

बिल्कुल यार, मैं तो बचपन में शीशे में देखकर यही सब करती थी। सूरज हुआ मध्यम गाने पर स्लो मोशन में अपने बाल झटकना या नाचना..., नाचना तो वैसे भी मेरा शौक है तो ऐसे रोल जरूर करना चाहूंगी। मेरा भी बहुत मन है, मगर लोगों की शायद सोच ऐसी है कि वे मुझे उन कॉम्प्लैक्स स्ट्रॉन्ग लड़कियों के रोल में ही देखते हैं। हालांकि, एक ट्रॉफी हीरोइन, जिसमें सिर्फ नाच गाना हो, वैसा किरदार मुझे शायद पसंद नहीं आएगा, मगर कोई अच्छी कमर्शल फिल्म हो, जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी तो मैं जरूर करना चाहूंगी।

बॉम्बे बेगम्स या अ सूटबल बॉय जैसी सीरीज में फ्लॉड किरदार, जो समाज की नजर में गलत/अनैतिक हैं, उन्हें निभाते वक्त क्या अप्रोच रहता है? उनको जजमेंट से कैसे दूर रखती हैं?

कोई भी किरदार निभाते वक्त मेरी एक ही कोशिश होती है कि वो ज्यादा से ज्यादा रियल हो और असल में कोई भी इंसान पूरी तरह ब्लैक या वाइट नहीं होता। दुनिया में कोई भी सिर्फ सही या गलत नहीं होता। हर किसी में खूबियां भी होती हैं, खामियां भी होती हैं। जब आप उन खामियों को दिखाते हैं, स्वीकारते हैं तो आपकी खूबियां और उभरकर सामने आती हैं। इसलिए, अगर मैं इन किरदारों को अपनी नैतिकता या जजमेंट के हिसाब से देखूंगी तो उसे कभी बाखूबी नहीं निभा पाऊंगी। उसे समझने के लिए मुझे जजमेंट हटाना पड़ेगा। उनके हालात, उनकी वजहें समझनी पड़ेंगी। मैं ये नहीं कहती कि आप उसे सही ठहराएं पर उसके प्रति थोड़ी नर्मी दिखानी होगी, क्योंकि हर किसी के हालात, परवरिश, बैकग्राउंड अलग होती है। इसलिए सिनेमा लोगों से जुड़ने और उनको समझने का सबसे बढ़िया माध्यम है। जब आप एक मर्डरर की कहानी देख रहें, तो उसके नजरिए से देखना होगा। सिनेमा का काम ही है कि वो आपको जजमेंट और नैतिकता से दूर लेकर जाए।

आप हमेशा ही लीग से हटकर किरदार चुनती हैं। ऐसे में फोर इयर्स लेटर की श्रीदेवी को चुनने के पीछे क्या वजह रही?

श्रीदेवी आज के जमाने की बहुत ही आधुनिक लड़की है, जिसमें आत्मविश्वास है, उसकी ख्वाहिशें हैं, वह आत्मनिर्भर है, लेकिन अपने समाज, संस्कृति, लोगों की उम्मीदों के चलते एक बंधन महसूस करती है। इसके बावजूद उसमें जिंदगी को लेकर बहुत उत्साह है। वह जिंदगी को एंजॉय करती है। वो दूध की धुली हुई भी नहीं है। वो भी गलतियां करती हैं, लेकिन उसको मानती है। ऐसे में बहुत लेयर्ड किरदार है।

बाघों के होने का मतलब सही सलामत हैं जंगल: रणदीप हुड्डा

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास संदेश साझा किया। उन्होंने लोगों को बाघों की सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि जंगल सही सलामत हैं। रणदीप हुड्डा जंगली जानवरों और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर हमेशा आवाज उठाते रहते हैं। वह लंबे समय से लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लुप्त होती प्रजातियों की रक्षा कितनी जरूरी है। उनका कहना है कि बाघ हमारे जंगलों और पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी हैं। अगर बाघ नहीं बचेंगे, तो जंगलों का संतुलन बिगड़ जाएगा। मंगलवार को रणदीप ने सोशल मीडिया पर बाघों की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें भारत के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखने का सौभाग्य मिला। हुड्डा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सिर्फ बाघों के बारे में नहीं है। अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि वहां पेड़-पौधे और जानवरों की लाखों प्रजातियां भी सही सलामत हैं। भारत बाघों को बचाने के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। नतीजा यह है कि बाघों की संख्या भी बढ़ी है। निराशाजनक बात ये है कि जंगल और बाघों का रहने का स्थान धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, क्योंकि जमीन का इस्तेमाल दूसरी चीजों के लिए अधिक किया जा रहा है।

अभिनेता ने सवाल किया कि अगर बाघों की संख्या बढ़ रही है, तो वे रहेंगे कहां?

उन्होंने आगे लिखा, बाघों को बचाना मतलब उनके जंगलों को बचाना और जंगलों को बचाना मतलब पूरी धरती को और खुद इंसानों को भी बचाना। इसलिए अगर हम बाघों को बचाते हैं, तो असल में हम खुद को बचा रहे हैं। आइए, खुद को बचाने के लिए बाघों और उनके घरों को सुरक्षित करें। रणदीप हुड्डा ने कहा, मेरी खुशकिस्मती है कि मैंने देश के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखा है। मैं खुद कह सकता हूं कि प्रकृति में बाघ जितना शानदार और शक्तिशाली नजारा कोई नहीं है। बता दें कि हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को बाघों की सुरक्षा के बारे में जागरूक करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बाघों और उनके जंगलों को बचाना कितना जरूरी है।

महाराजा फेम विजय सेतुपति पर शोषण का संगीन आरोप

अभिनेता विजय सेतुपति हाल ही में विवादों में आ गए हैं। राम्या मोहन नाम की एक यूजर ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राम्या का आरोप है कि विजय फिल्म इंडस्ट्री में जहरीले कल्चर को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने ड्रग्स, हेराफेरी और कास्टिंग काउच जैसे मुद्दों में शामिल होने का आरोप लगाया है।

सुपर डीलक्स, 96, विक्रम वेधा और हाल ही में आई महाराजा जैसी फिल्मों में अपने रोल्स के लिए जाने जाने वाले विजय सेतुपति को अक्सर तमिल सिनेमा में सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक के तौर पर देखा जाता है। जवान में अपनी एक्टिंग के लिए मशहूर एक्टर हाल ही में सोशल मीडिया पर किए गए कुछ अटपटे दावों के कारण विवादों में घिर गए हैं।

राम्या मोहन नाम की एक यूजर ने अपने एक्स हैंडल पर विजय सेतुपति पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विजय सेतुपति फिल्म इंडस्ट्री में एक जहरीले कल्चर को बढ़ावा देने में शामिल हैं, जिसमें ड्रग्स, हेराफेरी, कास्टिंग काउच और कमजोर लोगों के शोषण से जुड़े मुद्दे हैं।

विजय सेतुपति पर कास्टिंग काउच का आरोप

अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, कॉलीवुड का ड्रग और कास्टिंग काउच कल्चर कोई मजाक नहीं है। एक लड़की जिसे मैं अब मीडिया में एक जाना-माना चेहरा जानती हूं, उसे एक ऐसी दुनिया में घसीटा गया जिसके लिए उसने कभी साइन अप नहीं किया था। वह अब रिहैब सेंटर में है। डॉक्टरी, हेराफेरी और लेन-देन संबंधी शोषण को इंडस्ट्री के मानदंड के रूप में छिपाया गया है। @VijaySethuOffl ने कारवां फेवर के लिए 2 लाख रुपये, ड्राइव के लिए 50 हजार रुपये की पेशकश की है और सोशल मीडिया पर संत की तरह व्यवहार करता है। उसने उस लड़की का कई साल तक इस्तेमाल किया। यह एक कहानी नहीं है। ऐसी कई कहानियां हैं और मीडिया इन पुरुषों की पूजा करता है जैसे वे संत हों।

लड़की की जिंदगी और दर्द पर बोली

एक और पोस्ट में, राम्या ने जनता की सहानुभूति की कमी पर निराशा जताते हुए कहा, यह बेहद अजीब है कि कुछ असंवेदनशील मूर्ख सच्चाई को स्वीकार करने के बजाय, सोर्स पर सवाल उठाने या पीड़िता को ही दोषी ठहराने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। जब परिवार ने उसकी डायरी और फोन चैट देखी, तो यह सच्चाई उनके लिए तूफान की तरह आई। यह सिर्फ एक कहानी नहीं थी। यह उसकी जिंदगी थी, उसका दर्द था।

सलाकार में मेरा किरदार अब तक का सबसे अलग

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं।

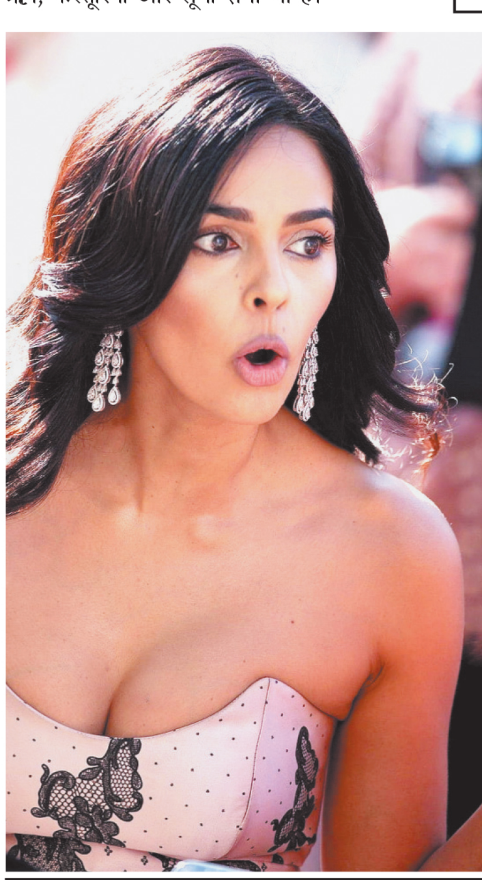

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म आप जैसा कोई के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें सबसे अच्छा इंसान भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटीज मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार!

फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के सांबर मसाला रेसिपी और हर सुबह दी जाने वाली परफेक्ट फिल्टर कॉफी के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा। आप जैसा कोई रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है।

बिग बॉस 19 का हिस्सा नहीं बनेंगी मल्लिका

टेलीविजन का पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस अपने 19वें सीजन के साथ जल्द शुरू होने वाला है। शो का नया लोगो चैनल की तरफ से जारी कर दिया गया है। इसी बीच खबरें थीं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी, हालांकि एक्ट्रेस ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

एक्ट्रेस ने बिग बॉस 19 में जाने की अफवाहों के बीच अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, सारी अफवाहों को खत्म कर रही हूं। मैं बिग बॉस में नहीं जा रही हूं और न कभी जाऊंगी। मल्लिका शेरावत से पहले सलमान खान की जय हो को-स्टार डेजी शाह ने भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वो बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रही हैं। बिग बॉस के खबरी पेज की मानें तो इस सीजन के लिए अनिरुद्ध आचार्या और कथावाचक जया कुमारी को भी अप्रोच किया गया था, लेकिन दोनों ने ही शो ठुकरा दिया है। फ्लाइंग बीस्ट नाम से मशहूर गौरव तनेजा ने भी बताया है कि उन्होंने शो का ऑफर रिजेक्ट किया है।

ये सेलेब्स बन सकते हैं बिग बॉस 19 का हिस्सा

इस साल इन्फ्लूएंसर फैसल शेख उर्फ मिस्टर फैसू का शो में आना लगभग कन्फर्म है। मेकर्स की उनसे लगातार बातचीत जारी है। इससे पहले फैजू खतरों के खिलाड़ी में नजर आ चुके हैं। उनके अलावा खतरों के खिलाड़ी 4 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस नियती फतनामी को भी शो ऑफर हुआ है।

मेगा फिल्म में नजर आएगी रणवीर सिंह-श्रीलीला और बॉबी देओल की तिकड़ी

रणवीर सिंह इन दिनों आगामी फिल्म धुरंधर की तैयारियों में व्यस्त हैं। वहीं, बॉबी देओल को हरि हर वीर मल्लु में देखा जा रहा है। इस बीच खबर है कि रणवीर सिंह और बॉबी देओल को जल्द ही मेगा बजट फिल्म में साथ देखा जाएगा। इस फिल्म में श्रीलाला भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सितारों की यह तिकड़ी पहली बार किसी प्रोजेक्ट में नजर आएगी।

रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल के इस प्रोजेक्ट का टाइटल जल्द रिवील किया जाएगा। इसी के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने की भी तैयारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि टाइटल का एलान अगले हफ्ते तक कर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रणवीर सिंह, श्रीलीला और बॉबी देओल की यह फिल्म प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

ताजमहल की खूबसूरती देख अवाक रह गई अनन्या पांडे, बोलीं- वाह ताज वाह

साभार एजेंसी

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट किया, जिसमें वो ताजमहल की खूबसूरती निहारतीं देखी जा सकती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की। जिसमें वह ताजमहल के पास पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में अनन्या पीले और नीले रंग की प्रिंटेड ड्रेस पहने हुए बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, वाह ताज। वहीं एक्टर कार्तिक आर्यन ने भी एक वीडियो अपलोड किया जिसमें खूबसूरत इमारत दिख रही है। इसके साथ ही लिखा- मुमताज ढूंढ रहा हूं। तस्वीर में उन्होंने फिल्म जोधा अकबर का गाना जश्न-ए-बहारा भी जोड़ा, जिसे ए. आर. रहमान ने कंपोज किया और जावेद अली ने गाया था। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन मुख्य भूमिका में थे। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर जैकी श्रॉफ की एक झलक साझा कर लिखा, बताओ मैं किसके साथ शूटिंग कर रही हूं? तस्वीर में जैकी श्रॉफ का चेहरा तो नहीं दिख रहा, लेकिन उनके गले का लॉकेट दिख रहा है, जिसमें बिडू लिखा हुआ है, जिससे साफ पता चल रहा है कि अभिनेत्री जैकी श्रॉफ के साथ शूटिंग कर रही हैं। ताजमहल का निर्माण 1632 में पांचवें मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में कराया था। मुमताज महल की कब्र के बगल में ही शाहजहां की भी है। यह मकबरा 17 हेक्टेयर में फैले एक विशाल परिसर का मुख्य हिस्सा है, जिसमें एक मस्जिद, एक गेस्ट हाउस और चारों ओर बने खूबसूरत बाग हैं।

खबर संक्षेप

ब्रेंडन टेलर जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे। ब्रेंडन टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण लगाए गए साढ़े तीन साल के निलंबन को पूरा करने के बाद जिम्बाब्वे टेस्ट टीम में वापसी कर ली है। टेलर (39 वर्ष) को जनवरी 2022 में एक भारतीय व्यवसायी की ओर से 2019 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किए जाने की सूचना समय पर नहीं देने के कारण प्रतिबंधित किया गया था। उन्हें बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में सात से 11 अगस्त तक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए जिम्बाब्वे टीम में शामिल किया गया है। टेलर को उस समय कोकीन के सेवन से जुड़ी डोप जांच में विफल होने के कारण भी एक महीने के लिए निलंबित किया गया था। उन पर 2019 में 15,000 अमेरिकी डॉलर लेने की बात स्वीकार करने के बाद प्रतिबंध लगा दिया गया था।

तैराकी विश्व चैंपियनशिप के 200 मीटर मेडली में 38वें स्थान पर गांगुली

सिंगापुर। भारतीय तैराक शोआन गांगुली विश्व तैराकी चैंपियनशिप के चौथे दिन पुरूषों की 200 मीटर मेडली में 38वें स्थान पर रहे। कर्नाटक के 20 वर्ष के गांगुली अपनी हीट में 2:05.40 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे और कुल 38वें स्थान पर समाप्त किया। इससे वह 16 तैराकों के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सके। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन लियोन मारचंड हीट में शीर्ष रहे। फ्रांच के इस तैराक ने 1:57.63 सेकंड का समय निकाला।

एलएसजी के गेंदबाज कोच बने भरत अरुण

लखनऊ। हाल में कोलकाता नाइट राइडर्स से अलग हुए पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरुण को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इसी पद पर टीम से जोड़ा है। हालांकि अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फ्रेंचाइजी के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'अरुण एलएसजी में शामिल हो गए हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।' अरुण पिछले कुछ साल से केकेआर से जुड़े थे लेकिन 2025 में टीम के आठवें स्थान पर रहने के बाद शाहरुख खान के स्वामित्व वाली यह फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर रही है। इसी तरह पिछले सत्र में सातवें स्थान पर रहने के बाद एलएसजी भी अपने सहयोगी स्टाफ में बदलाव कर रही है। राष्ट्रीय टीम के अब तक के सबसे बेहतरीन गेंदबाजी कोचों में से एक अरुण अपनी रणनीतिक कुशलता के साथ प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को निखारने के लिए भी मशहूर हैं। एलएसजी अपने 'मेंटोर' जहीर खान के साथ अनुबंध बढ़ाएगी या नहीं, इसकी जानकारी का भी इंतजार है।

नेरोका एफसी ने टीआरएयू एफसी से 1-1 से ड्रॉ खेला

इम्फाल। नेरोका एफसी ने 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप ई के शुरूआती मुकाबले में 10 खिलाड़ियों की टीआरएयू एफसी से 1-1 ड्रॉ खेला। टीआरएयू क्लब के लिए खुनजामायुम राज सिंह ने दूसरे हाफ में 58वें मिनट में गोल दागा। वहीं अरूण कुमार सिंह (90+7वें मिनट) ने अंत में गोल दागकर प्रतिद्वंद्वी टीम को तीन अंक हासिल करने से महरूम कर दिया।

मकाऊ ओपन : लक्ष्य, आयुष, तरुण क्वार्टर फाइनल में, करुणाकर-उन्नति का सफर समाप्त

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

भारत के लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली ने मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य ने कोरिया के जियोन हियोक जिन को 21.8, 21.14 से हराया। वहीं विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के हुआंग यू केइ को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

शेट्टी ने हुआंग को केवल 31 मिनट में हराकर बाहर का दिखाया रास्ता

ध्रुव और तनिषा की जोड़ी आगे बढ़ने में सफल

लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्दोयो और रित्विक संजीवी सतीश कुमार के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वहीं तरुण की टक्कर शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग के ली चियुक यू से होगी। मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

करुणाकरण का सफर समाप्त

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। एचएस प्रणय को इंडोनेशिया के योहानेस एस मार्शेलिनो के हाथों 21.18, 15.21, 15.21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गाडे की 34वीं रैंकिंग की जोड़ी चीनी ताइपे के वू गुआन झुन और ली चिया सिन से 37 मिनट तक चले मुकाबले में 20-22, 17-21 से हार गई। वहीं टी. हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोंजेंबाम को थाईलैंड के फुवानात एच और फुंगफा के ने 21.11, 21.14 से हराया।

उन्नति नहीं बढ़ पाई आगे

महिला एकल में उन्नति हुड्डा को डेनमार्क की जूली डवाल जाकोबसन ने 16-21, 21-19, 21-17 से मात दी। अनुपमा उपाध्याय को जापान की रिको गुंजी ने 21.16, 21.10 से हराया। शंकर सुब्रहमण्यन और आकर्षि कश्यप को पहले दौर में चीन के हू जे अन और जापान की नोजोमी ओकुहारा ने क्रमशः 21-18, 21-14 और 21-14, 21.16 से हराया। किरण जॉर्ज हांगकांग के एंग का लोंग एंगस से 31 मिनट में 21-15, 21-10 से हार गए।

अनमोल खरब को थाईलैंड के बुसानन ओंगबामरूंगफन ने 23-21, 21-11 से हराया। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक खिलाड़ी तसनीम मीर को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेइ ने 21-6, 21-14 से मात दी।

ओवल में आज महामुकाबला, नए शिखर पर पहुंचेगी भारत-इंग्लैंड की टक्कर

बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में भारत दे सकता है इंग्लैंड को 'फाइनल पंच'

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम के लिए ब्रिटेन दौरा श्रृंखला में बराबरी के साथ समाप्त करने की संभावनाएं कुछ हद तक बढ़ गई हैं क्योंकि इंग्लैंड के करिश्माई कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गुरुवार से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। कप्तान स्टोक्स पिछले दो टेस्ट मैचों में गेंदबाजी करते हुए दाहिने कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को लगातार दो मैचों में खेलने के बोझ के बाद आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी ओवल टेस्ट में आराम दिया गया है। कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिनकी मौजूदगी ही अंतर पैदा कर देती है और इंग्लैंड के कप्तान और बेहतरीन आलराउंडर स्टोक्स ऐसे ही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने श्रृंखला में 304 रन बनाने के साथ 17 विकेट झटके हैं। ओवल में इंग्लैंड की टीम को कप्तान स्टोक्स की प्रेरणादायक मौजूदगी की सबसे ज्यादा कमी खलेगी।

बुमराह नहीं खेलेंगे पांचवा टेस्ट, आकाशदीप की हो सकती है एंट्री ?

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर रहना तय है और आकाशदीप उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज 31 वर्षीय बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में लय में नहीं दिखे, जहां उन्हें अपनी गति पर संघर्ष करना पड़ा और वे सफलता हासिल करने में असफल रहे। रिपोर्ट के अनुसार, 'भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने बुमराह को बता दिया है कि यह फैसला उनकी पीठ को चोट से बचाने और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।'

कप्तान स्टोक्स बाहर, इंग्लैंड की कमान संभालेंगे पोप

लंदन। चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और प्रमुख तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट में नहीं खेलेंगे और इंग्लैंड ने निर्णायक टेस्ट में अपनी एकादश में तीन बदलाव किए हैं। मेजबान टीम श्रृंखला में 2.1 से आगे है। स्टोक्स की गैर मौजूदगी में ओली पोप इंग्लैंड की कमान संभालेंगे। स्टोक्स ने टीम की मोर्चे से अगुवाई करते हुए 17 विकेट लिए और 304 रन भी बनाए हैं। वह कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं जबकि चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले आर्चर को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी आखिरी टेस्ट से बाहर रहेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा, 'कप्तान बेन स्टोक्स दाहिने कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। स्पिनर लियाम डॉसन, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स भी नहीं खेलेंगे।'' ईसीबी ने कहा,' इंग्लैंड ने छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले जैकब बेथेल, सरें के गेंदबाज गुस एटकिंसन और जैमी ओवरटन, नॉटिंघमशर के तेज गेंदबाज जोश टंग को टीम में शामिल किया है।'

इंग्लैंड अंतिम एकादश

ओली पोप (कप्तान), जाक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी बूक, जैकब बेथेल, जैमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गुस एटकिंसन, जैमी ओवरटन, जोश टंग।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे होगा शुरू

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

हरदीप बने ग्रीको-रोमन वर्ग में वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| एथेंस

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 11 किलोग्राम ग्रीको रोमन वर्ग में गोल्ड जीतकर देश का नाम रोशन किया। फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यजदान रजा डेलरूज को क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2-0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लाव टोमेल्का को 4-2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया।

■ फाइनल मुकाबले में ईरान के यजदान रजा को हराया

क्वालिफिकेशन राउंड में बाकतुर को हराया

हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखिस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2-0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस योरास्लाव टोमेल्का को 4-2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में हरदीप ने तुर्किए के एमरूल्लाह कापकान को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अंततः ऐतिहासिक गोल्ड पदक अपने नाम किया। हरदीप की ये जीत भारत के युवा कुश्ती प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा है।

सीएएफए नेशंस कप

ताजिकिस्तान से भारत का पहला मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उसका पहला मुकाबला 29 अगस्त को दुशांबे में मेजबान ताजिकिस्तान से होगा।

इस ग्रुप की अन्य दो टीम ईरान और अफगानिस्तान हैं। 8 सितंबर तक चलने वाला यह मध्य एशियाई क्षेत्रीय टूर्नामेंट, एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर फाइनल राउंड से पहले भारत के लिए तैयारी का काम करेगा। भारत ग्रुप चरण के अपने अगले दो मैच 1 सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट में आठ टीम भाग लेंगी। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल में जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें दुशांबे में तीसरे स्थान के लिए भिड़ेंगी। ग्रुप ए के मैच ताशकंद में खेले जाएंगे। इस ग्रुप में मेजबान उज्बेकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और ओमान दो मेहमान टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से हराया था।

कोपा अमेरिका फेमिनिना : लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचा ब्राजील

क्विटो (इक्वाडोर)। पिछले चार बार के चैंपियन ब्राजील ने पहले आधे घंटे में तीन गोल करके उरुग्वे को 5-1 से हराकर लगातार पांचवीं बार कोपा अमेरिका फेमिनिना महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अमांडा गुटिएरेस ने 11वें मिनट में ब्राजील की तरफ से पहला गोल किया। इसके दो मिनट बाद जियोवाना क्विरोज ने बढ़त दोगुनी कर दी जबकि स्टार खिलाड़ी मार्टा ने 27वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल करके ब्राजील की जीत सुनिश्चित कर दी। गुटिएरेस ने 65वें मिनट में फ्री किक पर एक और गोल किया, जबकि डुडिन्हा ने 86वें मिनट में टीम की तरफ से पांचवां गोल दागा। ब्राजील अगले शनिवार को होने वाले फाइनल में कोलंबिया से भिड़ेगा, जिसने सोमवार को अर्जेंटीना को पेनल्टी शूट आउट में 5-4 से हराया था।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स

भारत ने पाकिस्तान के साथ मैच खेलने से किया इनकार सेमीफाइनल में होनी थी भिड़ंत

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के सेमीफाइनल में भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ खेलने से एक बार फिर इनकार कर दिया है। ये मैच गुरुवार 31 जुलाई को होना था। भारतीय टीम का कहना है कि वे पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी तरह का मुकाबला नहीं खेलना चाहते। टीम ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय खेल संबंध के खिलाफ देश के रुख का हवाला दिया है।

ग्रुप स्टेज का मैच हुआ था रद्द

भारत चैंपियंस ने मंगलवार को वेस्टइंडीज चैंपियंस को सिर्फ 13.2 ओवर में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर उन्होंने पहले ही आपत्ति जताई थी। इससे पहले भी ग्रुप स्टेज का भारत-पाकिस्तान मैच रद्द कर दिया गया था। क्योंकि खिलाड़ियों और टूर्नामेंट के एक मुख्य स्पॉन्सर ने विरोध जताया था। वहीं गुरुवार को भारत ने एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर टूर्नामेंट का सेमीफाइनल में पाकिस्तान से खेलना था।

18 बॉल का 1 ओवर,वाइड की झड़ी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हुआ शर्मसार

एजेंसी ▶▶| ललेस्टर

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के एक मुकाबले में, जब एक गेंदबाज ने इतनी ज्यादा वाइड गेंद डाली की एक ओवर पूरा करने के लिए 18 गेंद डालनी पड़ी। दरअसल, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में 14वां मुकाबला 29 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच खेला गया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को 10 विकेट से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। इस दौरान ऑस्ट्रेलियन टीम की ओर से एक ऐसा शर्मनाक ओवर देखने को मिला, जिसमें 18 गेंदें फेंकी गई। दरअसल, पाकिस्तान की पारी के 8वें ओवर में गेंदबाजी करने आए जॉन हेस्टिंग्स को अपना ओवर पूरा करने के लिए 18 गेंदें डालनी पड़ गई। इन 18 गेंदों में 12 गेंदें वाइड रही और एक नो बॉल।

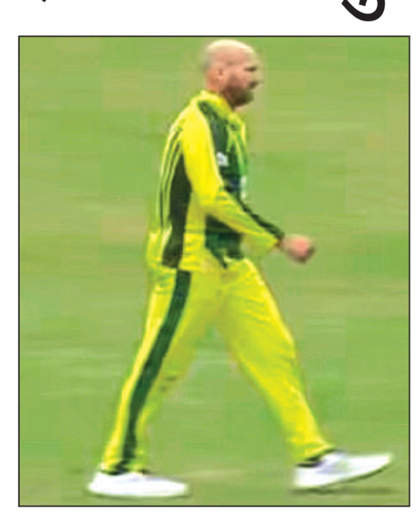

इस ओवर से कुल मिलाकर 20 रन आए, जिसमें 12 वाइड के अलावा एक नो बॉल, 2 सिंगल, एक बाई और एक चौका शामिल रहा। इस तरह पाकिस्तान चैंपियंस ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को महज 8 ओवर में 10 विकेट से धूल चटाते हुए पॉइंट्स टेबल में टॉप पर फिनिश किया।

नेशनल बैंक ओपनः फर्नांडीज को माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में हराया

संघर्ष के बाद कोको गॉफ की जीत, पहले राउंड में फर्नांडीज बाहर

एजेंसी ▶▶| मॉन्ट्रियल

शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने तीन सेट तक चल कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई लेकिन पिछले सप्ताह डीसी ओपन का खिताब जीतने वाली स्थानीय खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज पहले दौर में बाहर हो गई।

फर्नांडीज को ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने केवल एक घंटे 15 मिनट में 6-4, 6-1 से हरा दिया। विश्व की 24वें नंबर की इस खिलाड़ी ने रविवार को वाशिंगटन में अपने करियर का चौथा डब्ल्यूटीए खिताब जीता था और वह मॉन्ट्रियल में कोर्ट पर वापसी से पहले अतिरिक्त आराम की उम्मीद कर रही थीं। इसलिए उन्होंने हार के बाद इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आलोचना भी की। गॉफ ने हमवतन अमेरिकी डेनियल कोलिन्स के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट किए लेकिन वह आखिर में 7-5, 4-6, 7-6 (2) से जीत हासिल करने में सफल रही, जो फ्रेंच ओपन फाइनल के बाद उनकी पहली जीत है।

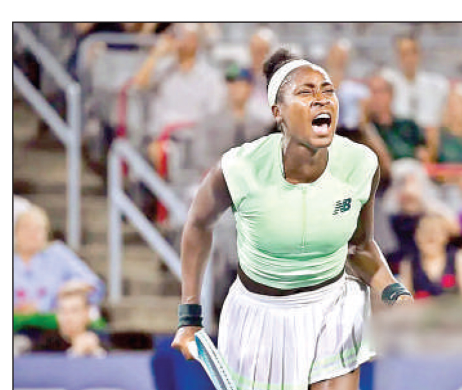

चौथी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने बियांका एंड्रीस्कू के टखने में चोट लगने के कारण मैच से हट जाने से तीसरे दौर में जगह बनाई। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे सेट के टाईब्रेकर में जापान की आओई इतो से हार का सामना करना पड़ा, जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने रेबेका मैरिनो को 6-1, 6-2 से हराया।

पुरुष एकल में मुसेट्टी-रूने की जीत

वहीं, पुरुषों में तीसरी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी और पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूने ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। मुसेट्टी ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से, जबकि रूने ने जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 7-6 (7), 6-3 से हराया। इस मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, दूसरे नंबर के कार्लोस अल्काराज, पांचवें नंबर के जैक ड्रेपर और छठे नंबर के नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड, 11वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव, 14वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और गत विजेता 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन भी अपने-अपने मैच जीतने में सफल रहे।

ट्रम्प की टैरिफ चेतावनी पर सियासी बवाल: कांग्रेस बोली- WTO नियमों का उल्लंघन

-राहुल गांधी ने कहा- भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर 25% तक टैरिफ लगाने की चेतावनी के बाद भारतीय राजनीतिक हलकों में जबरदस्त बवाल मच गया है। कांग्रेस पार्टी ने इसे विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों का खुला उल्लंघन बताया है, जबकि राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि ट्रम्प ने जो कहा, वह पूरी दुनिया जानती है— भारतीय अर्थव्यवस्था अब सांसें गिन रही है।

ट्रम्प की धमकी: "ट्रेड डील करो वरना टैक्स झेलो"

रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की ओर बढ़ रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने एक चुनावी रैली में भारत को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को अंतिम रूप नहीं दिया, तो 25% तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि पिछली बार पाकिस्तान के साथ भारत की सीज़फायर की स्थिति उनकी पहल पर बनी थी, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने कभी इसका जिक्र नहीं किया। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों को लेकर कई मुद्दों पर बातचीत जारी है। भारत, विशेष रूप से आईटी सेवाओं, दवाइयों और स्टील-एल्युमिनियम उत्पादों के निर्यात में बड़ी भूमिका निभाता है, जबकि अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाज़ार को अमेरिकी कृषि उत्पादों और अन्य वस्तुओं के लिए और अधिक खोल दे।

कांग्रेस का तीखा हमला

कांग्रेस पार्टी ने ट्रम्प के बयान को लेकर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा,

"यह WTO के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। कोई भी देश किसी अन्य देश पर मनमानी टैरिफ नहीं थोप सकता, खासकर तब जब दोनों देश WTO के सदस्य हैं। भारत सरकार को इस पर सख्त प्रतिक्रिया देनी चाहिए, न कि चुप रहकर अमेरिकी दबाव में झुक जाना चाहिए।" कांग्रेस का कहना है कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में विदेश नीति को सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट बना दिया है और वैश्विक मंचों पर भारत की गंभीरता कम होती जा रही है।

राहुल गांधी का करारा वार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "मुझे खुशी हुई कि ट्रम्प ने कम से कम सच तो बोला। देश में सब जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब मर चुकी है, लेकिन सरकार लगातार झूठ परोसती रही है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी और विदेश नीति की नाकामी का नतीजा है कि भारत को बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपमान झेलना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि आखिर अब तक अमेरिका से ट्रेड डील क्यों नहीं हो पाई। क्या भारत अमेरिका के आगे झुकने को तैयार नहीं है या फिर अमेरिका भारत की जरूरतों को समझने में नाकाम रहा है?

सरकार की चुप्पी पर सवाल

ट्रम्प के बयान के बाद अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वाणिज्य मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने ट्रम्प की टिप्पणी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस चुप्पी को विपक्ष ने सरकार की कमजोरी करार दिया है। TMC नेता महुआ मोइत्रा ने भी कहा कि "मोदी सरकार हमेशा राष्ट्रवाद की बात करती है लेकिन जब अमेरिका जैसा देश हमें खुलेआम धमकाता है, तब यह सरकार बौनी हो जाती है।"

WTO क्या कहता है?

WTO (विश्व व्यापार संगठन) के नियमों के मुताबिक, किसी सदस्य देश को दूसरे सदस्य देश पर मनमानी टैरिफ नहीं लगाने की अनुमति नहीं है जब तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा या स्वास्थ्य संबंधी ठोस कारण न हों। हालांकि ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में चीन, यूरोप और भारत जैसे देशों पर इसी तरह के शुल्क लगाए थे, जिस पर कई विवाद भी हुए। भारत ने 2019 में अमेरिका द्वारा जीएसपी (Generalized System of Preferences) समाप्त करने के बाद कई बार व्यापारिक संतुलन स्थापित करने की कोशिश की थी, लेकिन अब तक कोई व्यापक ट्रेड डील नहीं हो पाई है।

क्या असर होगा?

अगर ट्रम्प दोबारा राष्ट्रपति बनते हैं और भारत पर वाकई 25% तक टैरिफ लगा देते हैं, तो भारतीय निर्यातकों को बड़ा झटका लग सकता है। भारत की सबसे बड़ी एक्सपोर्ट मार्केट अमेरिका ही है, और खासकर टेक्सटाइल, दवाइयां, स्टील और आईटी सर्विस सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बड़ा फ़ैसला: साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सभी आरोपी बरी

-कोर्ट ने कहा, न मोटरसाइकिल का संबंध साबित हुआ, न RDX लाने का आरोप पुष्ट हुआ

मुंबई। मालेगांव बम धमाका मामले में आज विशेष एनआईए कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया। 2008 में हुए इस धमाके के आरोप में नामजद किए गए सभी सात आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित शामिल हैं।

कोर्ट का कहना: आरोप साबित नहीं हुए

विशेष एनआईए अदालत के जज ए. के. लहोटी ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि धमाके में प्रयुक्त मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा की थी या कि आरडीएक्स कर्नल पुरोहित ने उपलब्ध कराया था। अदालत ने कहा कि इन दोनों बिंदुओं पर पर्याप्त और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं किए जा सके, जिससे आरोपियों को दोषी ठहराया जा सके।

2008 का वो धमाका

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के मालेगांव शहर में एक भीषण बम धमाका हुआ था। यह धमाका एक मोटरसाइकिल में लगे विस्फोटक से हुआ था, जिससे 6 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था।

आरोपी कौन थे?

इस केस में जिन सात लोगों को आरोपी बनाया गया था, वे थे: साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर (वर्तमान में भोपाल से भाजपा सांसद) ले. कर्नल श्रीकांत पुरोहित, स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी। हालांकि मामले की सुनवाई के दौरान कई गवाह मुकर गए और तकनीकी साक्ष्य भी कोर्ट की कसौटी पर खरे नहीं उतर सके।

कोर्ट का फैसला क्यों अहम?

इस केस को 'हिंदू आतंकवाद' या 'भगवा आतंकवाद' के संदर्भ में देखा गया था। यूपीए सरकार के दौर में इस पर व्यापक राजनीतिक बहस छिड़ी थी और इसे लेकर देशभर में तीखी प्रतिक्रियाएं आई थीं। उस समय इस मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को सौंपा गया था, जिसने 2016 में कई आरोपियों पर से मकोका (MCOCA) हटा लिया था।

जज ने फैसले में क्या कहा?

अदालत ने अपने फैसले में कहा: "यह सिद्ध नहीं किया जा सका कि विस्फोटक वाली मोटरसाइकिल का स्वामित्व साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का था। न ही यह साबित किया गया कि कर्नल पुरोहित विस्फोटक लाए या धमाके की साज़िश में शामिल थे। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य संदेह से परे दोष सिद्ध करने में असफल रहे।"

बचाव पक्ष की दलील

बचाव पक्ष ने शुरुआत से ही दावा किया था कि उनके मुवक्किलों को राजनीतिक द्वेष और पूर्वाग्रह के चलते फंसाया गया है। कर्नल पुरोहित की ओर से कहा गया कि वे आर्मी इंटेलिजेंस के लिए अंडरकवर ऑपरेशन में लगे थे और इसीलिए कुछ कट्टरपंथी समूहों के संपर्क में थे। साध्वी प्रज्ञा ने पहले ही दावा किया था कि उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है और उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने अपने जेल के अनुभव को 'राजनीतिक उत्पीड़न' करार दिया था।

NIA पर सवाल

एनआईए की जांच पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। मालेगांव केस में एनआईए ने पहले ATS की जांच पर कई बिंदुओं पर असहमति जताई थी और 2016 में कई गंभीर धाराएं वापस ले ली थीं। इस फैसले के बाद एक बार फिर एनआईए की जांच की गुणवत्ता और निष्पक्षता पर बहस तेज हो सकती है।

राजनीतिक प्रतिक्रिया

फैसले के बाद भाजपा ने इसे 'सच की जीत' बताया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि वर्षों तक निर्दोषों को झूठे मुकदमे में फंसाकर बदनाम किया गया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की ओर से अब तक कोई औपचारिक बयान नहीं आया है, लेकिन अतीत में कई कांग्रेस नेताओं ने इस केस को भगवा आतंकवाद से जोड़ा था। फैसले के बाद पीड़ित परिवारों में निराशा है। कई लोगों ने कहा कि इतने सालों की लड़ाई के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि एनआईए इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देती है या नहीं।

मुंबई में कबूतरों को दाना डालना बना सेहत का खतरा

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने BMC को FIR की दी अनुमति

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि सार्वजनिक जगहों पर कबूतरों को दाना डालना न सिर्फ आम जनता के लिए परेशानी बन रहा है, बल्कि यह सेहत के लिहाज़ से भी गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (BMC) को यह अधिकार दे दिया है कि वह तय जगहों के अलावा अगर कोई व्यक्ति कबूतरों को दाना डालता है तो उसके खिलाफ FIR दर्ज की जा सकती है।

सेहत के लिए गंभीर खतरा: कोर्ट की सख्त टिप्पणी

जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस कमल खाता की बेंच ने कहा कि कबूतरों को दाना डालना एक धार्मिक या भावनात्मक मसला हो सकता है, लेकिन जब यह सार्वजनिक हित और स्वास्थ्य पर असर डालने लगे तो इसे रोका जाना जरूरी है। कोर्ट ने कहा: "कबूतरों की आबादी अनियंत्रित रूप से बढ़ रही है और इनके कारण सांस संबंधी बीमारियां, एलर्जी, और अस्थमा जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं फैल रही हैं। ये समस्या खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।"

नागरिकों की शिकायत पर हुआ एक्शन

दरअसल, यह मामला मुंबई के मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी और अन्य इलाकों के रहवासियों द्वारा दायर की गई याचिकाओं के बाद सामने आया था। स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी कि कई स्थानों पर लोग नियमित रूप से बड़ी संख्या में कबूतरों को दाना डालते हैं, जिससे उन इलाकों में गंदगी फैलती है, बदबू आती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है।

BMC को मिला सख्त निर्देश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने BMC को निर्देश दिए हैं कि: जिन स्थानों पर कबूतरों को दाना डालने की मनाही है, वहां स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाए जाएं। दाना डालने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ FIR दर्ज की जाए। जनता को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाए कि कबूतरों को दाना डालने से कैसे बीमारियां फैलती हैं। सिर्फ निर्धारित जगहों पर ही दाना डालने की अनुमति दी जाए।

अदालत की दो टूक – "करुणा के नाम पर अराजकता नहीं चलेगी"

कोर्ट ने यह भी कहा कि करुणा या जीवों के प्रति प्रेम दिखाना अच्छी बात है, लेकिन अगर यह दूसरों के जीवन पर असर डाल रहा हो तो इसे रोका जाना चाहिए। अदालत ने कहा: "कबूतरों को दाना डालना कोई मौलिक अधिकार नहीं है। यह एक व्यक्तिगत आस्था का विषय हो सकता है, लेकिन जब यह सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाए तो इस पर रोक लगनी चाहिए।"

आगे क्या?

इस आदेश के बाद अब BMC जल्द ही ऐसे स्थानों की सूची तैयार करेगी जहाँ कबूतरों को दाना डालना प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, शहर में जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें बताया जाएगा कि कबूतरों के मल से कौन-कौन सी बीमारियां फैलती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है।

ईरान से गुप्त तेल कारोबार पर अमेरिका का बड़ा एक्शन

-6 भारतीय कंपनियां आतंकी फंडिंग में शामिल बताई गईं

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने 6 भारतीय कंपनियों सहित कुल 60 विदेशी संस्थाओं पर बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय (US Treasury Department) ने इन कंपनियों को ईरान की तेल कंपनियों के साथ प्रतिबंधों का उल्लंघन कर गुप्त रूप से व्यापार करने और इससे ईरानी आतंकवादी संगठनों को फंडिंग होने का गंभीर आरोप लगाया है। यह कार्रवाई अमेरिका की "Global Sanctions Enforcement" नीति के तहत की गई है, जो ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) और उसकी कुद्स फोर्स को मिलने वाली आर्थिक मदद को रोकने की दिशा में उठाया गया एक सख्त कदम है।

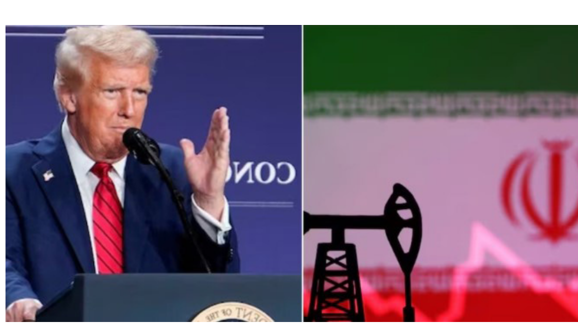

क्या हैं आरोप?

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, जिन भारतीय कंपनियों पर कार्रवाई की गई है, उन्होंने ईरान की नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (NIOC) और उसकी सहयोगी संस्थाओं से चोरी-छिपे तेल और पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार किया। इन लेन-देन से करोड़ों डॉलर की कमाई हुई, जिसे ईरान ने आतंकी संगठनों को फंडिंग के रूप में इस्तेमाल किया।

किन भारतीय कंपनियों पर है कार्रवाई?

हालांकि अमेरिका ने सभी कंपनियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं, लेकिन यह जरूर स्पष्ट किया गया है कि ये कंपनियां भारत, चीन, यूएई, हांगकांग और तुर्की में पंजीकृत हैं। इनमें से 6 कंपनियां भारत की हैं, जो कि समुद्री शिपिंग, ट्रेडिंग, ब्रोकरिंग और तेल उत्पादों के निर्यात-आयात से जुड़ी हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने झूठे दस्तावेजों, फर्जी इनवॉयस और शिपिंग डिटेल्स का इस्तेमाल करते हुए प्रतिबंधित ईरानी तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचाया। इसके बदले में पेमेंट क्रिप्टोकरेंसी या बिचौलियों के जरिए किया गया, ताकि ट्रैकिंग न हो सके।

अमेरिकी बयान क्या कहता है?

यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (OFAC) के निदेशक ब्रायन नेल्सन ने कहा— "ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर से होने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स, उसकी कुद्स फोर्स और अन्य आतंकी एजेंसियों को भेजा जा रहा था। जो कंपनियां इस व्यवस्था को सहारा देती हैं, वे सीधे तौर पर वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं। हम इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाते रहेंगे।"

भारत की प्रतिक्रिया?

भारत सरकार की ओर से इस खबर पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए संबंधित एजेंसियों को जांच के निर्देश दिए जा सकते हैं। यदि इन कंपनियों ने वास्तव में अमेरिका के प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है, तो भारत सरकार भी इन पर कार्रवाई कर सकती है। भारत ईरान के साथ परंपरागत रूप से ऊर्जा संबंधों में रहा है, लेकिन अमेरिकी दबाव के कारण पिछले कुछ वर्षों से यह व्यापार काफी सीमित हो गया है। ऐसे में इन कंपनियों का चोरी-छिपे कारोबार करना भारत की वैश्विक छवि को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

क्या है ईरान-तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध?

ईरान पर अमेरिका ने 2018 में पुनः आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, जब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान न्यूक्लियर डील से अमेरिका को बाहर कर लिया था। इन प्रतिबंधों के तहत ईरान के तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल निर्यात को पूरी तरह से रोकने की कोशिश की गई थी, ताकि उसके पास हथियारों और आतंकी नेटवर्क के लिए फंडिंग न हो सके। इसके बावजूद ईरान ने चीन, तुर्की, यूएई और अन्य देशों के जरिए गुप्त नेटवर्क बनाकर अपना तेल बेचना जारी रखा। अमेरिका की ये कार्रवाई उसी नेटवर्क को तोड़ने का हिस्सा है।

इन कंपनियों पर क्या असर होगा?

इन कंपनियों के अमेरिका में मौजूद बैंक खातों और संपत्तियों को फ्रीज़ कर दिया जाएगा। इन पर अमेरिका के नागरिकों और कंपनियों को किसी तरह के व्यापार या संपर्क की मनाही होगी। अन्य देशों के लिए भी संकेत है कि यदि वे इन कंपनियों के साथ व्यापार करेंगे, तो वे भी सेकंडरी प्रतिबंधों के दायरे में आ सकते हैं। इससे भारत में इन कंपनियों का व्यापारिक भविष्य, बैंकिंग संबंध और अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर गहरा असर पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय असर

इस कार्रवाई का संदेश साफ है कि अमेरिका ईरान से जुड़े नेटवर्क को तोड़ने के लिए अब सिर्फ ईरानी संस्थाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसी भी देश की कंपनियों या नागरिकों को भी घेरने के लिए तैयार है। इससे दुनिया भर के व्यापारियों और कंपनियों को यह चेतावनी मिलती है कि ईरान से जुड़े व्यापार को लेकर अत्यधिक सतर्कता बरतें।

अमेरिका-पाकिस्तान ऑयल डील: ट्रम्प बोले- एक दिन भारत को भी तेल बेच सकता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक बड़ी ऊर्जा डील की है, जिसके तहत वह न केवल पाकिस्तान को कच्चा तेल देगा, बल्कि उसकी जमीन से खुदाई में भी मदद करेगा। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस डील की पुष्टि करते हुए एक बड़ा बयान दिया—"क्या पता एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।" इस करार को अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत देखा जा रहा है, जहां वह ऊर्जा और निवेश के ज़रिए पाकिस्तान को अपनी ओर खींचना चाहता है। वहीं, पाकिस्तान इस डील को अपनी डूबती अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा मान रहा है।

क्या है यह डील?

पाकिस्तान सरकार और अमेरिका की एक बड़ी ऊर्जा कंपनी के बीच यह समझौता हुआ है, जिसमें:

अमेरिका पाकिस्तान को तकनीकी मदद देगा ताकि वह अपने घरेलू तेल भंडार की खुदाई कर सके।

अमेरिका पाकिस्तान को कुछ खास रियायती दरों पर कच्चा तेल देगा, जिससे पेट्रोलियम पर निर्भरता कम हो।

अमेरिकी कंपनियाँ बलूचिस्तान, सिंध और पंजाब के कुछ इलाकों में तेल अन्वेषण के लिए पहले से सर्वे कर चुकी हैं। एक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान की ज़मीन के नीचे करीब 9 से 13 बिलियन बैरल तेल मौजूद हो सकता है, परंतु तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण खुदाई अब तक नहीं हो सकी थी।

ट्रम्प का बयान और इशारे

पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस डील की जानकारी एक चुनावी रैली में दी और पाकिस्तान को "भविष्य की ऊर्जा शक्ति" बताया। उन्होंने व्यंग्य में कहा: "अभी तो हम पाकिस्तान को तेल देना शुरू कर रहे हैं, लेकिन अगर सब ठीक रहा तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है जब पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।" ट्रम्प के इस बयान को कई विशेषज्ञ भारत के लिए छिपी चेतावनी और रणनीतिक दबाव के तौर पर देख रहे हैं। उनका ये भी इशारा हो सकता है कि भारत को अमेरिका से तेल डील में ज़्यादा लचीलापन दिखाना होगा।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया: नई उम्मीद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने इस डील को "ऐतिहासिक" बताया और कहा कि: "ये डील पाकिस्तान के ऊर्जा संकट का समाधान लाएगी। अब हम खुद अपने देश में तेल निकाल सकेंगे और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।" पाकिस्तान पहले ही सऊदी अरब, रूस और चीन से तेल लेता रहा है, लेकिन भुगतान संकट और डॉलर की कमी के कारण उसे भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब अमेरिका के साथ हुए इस डील को एक नया रास्ता माना जा रहा है।

भारत की चिंता बढ़ी?

भारत को अभी इस डील से सीधा नुकसान नहीं है, लेकिन कुछ रणनीतिक विशेषज्ञ इसे चिंताजनक मानते हैं:

अमेरिका का पाकिस्तान को फिर से सैन्य और आर्थिक रूप से ताकतवर बनाना भारत के हित में नहीं। यदि पाकिस्तान अपने तेल भंडार से सफल खुदाई करता है, तो वह आर्थिक रूप से स्थिर होकर अपनी मिलिट्री पर और ज़्यादा खर्च कर सकता है। पाकिस्तान-चीन की निकटता पहले से ही भारत के लिए सिरदर्द है, और अब अमेरिका का यह जुड़ाव एक त्रिकोणीय दबाव बना सकता है। भारत सरकार ने इस डील पर फिलहाल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

क्या अमेरिका की रणनीति बदल रही है?

अमेरिका हमेशा भारत को अपना बड़ा रणनीतिक साझेदार मानता रहा है, लेकिन पिछले कुछ सालों में उसके पाकिस्तान के प्रति रुख में नरमी देखी गई है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं: चीन का CPEC प्रोजेक्ट पाकिस्तान में तेजी से बढ़ा है, अमेरिका इस असर को कम करना चाहता है। तालिबान की अफगानिस्तान वापसी के बाद अमेरिका को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए पाकिस्तान की ज़रूरत है। भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है, जिससे अमेरिका को असहजता हुई है। संभव है, अमेरिका इस डील के ज़रिए भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बना रहा हो।

विश्लेषकों की राय

द फॉरेन पॉलिसी काउंसिल के वरिष्ठ विश्लेषक माइक जॉन्स का कहना है: "यह डील आर्थिक से ज़्यादा रणनीतिक है। अमेरिका अब पाकिस्तान को आर्थिक रूप से खड़ा कर चीन के प्रभाव को संतुलित करना चाहता है।"

वहीं भारतीय रणनीतिक मामलों के जानकार ब्रह्मा चेलानी मानते हैं: "अगर पाकिस्तान अपने तेल स्रोतों का सही इस्तेमाल कर पाया, तो दक्षिण एशिया की ऊर्जा भू-राजनीति में नया मोड़ आ सकता है।" अमेरिका और पाकिस्तान के बीच हुई नई ऊर्जा डील के तहत अमेरिका पाकिस्तान को कच्चा तेल देगा और खुदाई में तकनीकी मदद करेगा। ट्रम्प ने इसे "भविष्य की ऊर्जा शक्ति" बताते हुए कहा—"शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।" इसे अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत देखा जा रहा है। भारत के रणनीतिक विशेषज्ञ इसे संभावित खतरे और दबाव की रणनीति मान रहे हैं, खासकर जब पाकिस्तान-चीन गठजोड़ पहले से भारत के लिए चुनौती है। भारत सरकार ने फिलहाल इस डील पर कोई टिप्पणी नहीं दी है, लेकिन विश्लेषक इसे क्षेत्रीय संतुलन में बदलाव की शुरुआत मान रहे हैं।

कैलिफोर्निया में अमेरिकी नौसेना का अत्याधुनिक F-35 लड़ाकू विमान क्रैश

-पायलट ने इजेक्ट कर बचाई जान

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। कैलिफोर्निया के सैन जोआक्विन वैली क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना का एक अत्याधुनिक लड़ाकू विमान F-35 लाइटनिंग-II बुधवार को क्रैश हो गया। यह हादसा सुबह क़रीब 9:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था। राहत की बात यह रही कि पायलट ने समय रहते इजेक्ट (Eject) कर अपनी जान बचा ली। उसे मामूली चोटें आई हैं और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

क्या है F-35 लड़ाकू विमान?

F-35 लाइटनिंग-II अमेरिका का एक स्टेल्थ मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे लॉकहीड मार्टिन ने विकसित किया है। यह विमान हवा से हवा, हवा से ज़मीन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसे मिशनों को अंजाम देने में सक्षम है। इसकी विशेषता है इसका स्टेल्थ डिजाइन, जो इसे रडार से बचाता है और दुश्मन के इलाके में चुपचाप घुसने की ताकत देता है। यह विमान नौसेना, वायुसेना और मरीन कॉर्प्स – तीनों के लिए अलग-अलग वर्जन में इस्तेमाल किया जाता है। बताया जा रहा है कि जो विमान क्रैश हुआ, वह नौसेना का वर्जन था, जो USS Carl Vinson एयरक्राफ्ट कैरियर से संबंधित है।

हादसा कैसे हुआ?

अभी तक इस हादसे की कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक विमान में तकनीकी खराबी के संकेत मिले हैं। पायलट ने जब नियंत्रण खोया, तब उसने तुरंत इजेक्शन सिस्टम का उपयोग किया। विमान क्रैश होकर खुले इलाके में गिरा, जिससे ज़्यादा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। कोई आम नागरिक इस हादसे में घायल नहीं हुआ।

घटनास्थल पर पहुंची टीमें

हादसे के बाद आपातकालीन सेवाएं और नौसेना की जांच एजेंसियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। क्रैश साइट को घेर लिया गया है और स्थानीय लोगों को इलाके से दूर रहने की हिदायत दी गई है। अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) और नौसेना की क्रैश इन्वेस्टिगेशन यूनिट मिलकर जांच कर रही हैं।

लगातार बढ़ते हादसे चिंता का कारण

यह कोई पहला मौका नहीं है जब F-35 विमान हादसे का शिकार हुआ हो। पिछले कुछ वर्षों में कई बार इन विमानों की तकनीकी गड़बड़ियों और हाई मेंटेनेंस लागत को लेकर सवाल उठ चुके हैं। हालांकि, अमेरिका इस विमान को भविष्य की लड़ाइयों के लिए सबसे उपयुक्त मानता है। 2023 में भी एक F-35B विमान साउथ कैरोलिना में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। उस हादसे में भी पायलट ने समय रहते इजेक्ट किया था, लेकिन विमान का मलबा खोजने में काफी वक्त लगा था।

पायलट की बहादुरी और ट्रेनिंग की तारीफ़

इस घटना में पायलट की सूझबूझ और ट्रेनिंग की जमकर तारीफ हो रही है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने बयान में कहा है कि "हमारे पायलटों को ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाती है, और यह हादसा उसकी मिसाल है। पायलट ने जान गंवाने की बजाय विमान को छोड़कर खुद को सुरक्षित किया, जो उसकी प्रोफेशनल क्षमता को दिखाता है।"

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,